वर्ष : 34 ▸ अंक : 108 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, मंगलवार, 24 जून 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महायुद्ध की आहट

- ▸▸ अमेरिका की तरफ से ईरान में घुसकर परमाणु ठिकानों को बनाया गया निशाना
- ▸▸ अमेरिकी हमले के बाद ईरान का कड़ा रुख, परमाणु ऊर्जा एजेंसी से संबंध तोड़ने पर विचार
- ▸▸ ईरान का कतर में अमेरिकी एयरबेस पर किया हमला

एजेंसी | तेहरान

इस्राइल और ईरान के बीच बीते 11 दिनों से जारी संघर्ष का असर अब पूरे पश्चिम एशिया में दिखने लगा है। खासकर अमेरिका की तरफ से ईरान में घुसकर उसके परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने की घटना के बाद तनाव अपने चरम पर है। जहां अमेरिका का दावा है कि उसने ईरान के इन परमाणु केंद्रों को तबाह कर दिया तो वहीं ईरानी सेना और सरकार ने कहा है कि इस हमले के बाद पलटवार का पूरा अधिकार उसके पास है। दूसरी तरफ ईरान के एक सरकारी टीवी चैनल ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अमेरिका के 50 हजार सैनिकों को ताबूत में वॉशिंगटन भेजा जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर हालात नहीं संभले तो यह टकराव पहले और दूसरे विश्वयुद्ध से भी अधिक विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।

ईरान का कतर में अमेरिकी एयरबेस पर हमला

ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर हमला कर दिया है। यरुसेलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, कतर की राजधानी दोहा में अभी कई बार धमाकों की आवाज सुनी गई। कुछ देर पहले ही कतर ने अपना एयरस्पेस बंद किया था। कतर में अल-उदीद एयरबेस मिडिल ईस्ट में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है। यह लगभग 8,000 से 10,000 के बीच अमेरिकी सैनिकों का ठिकाना है।

अमेरिका ने विदेश जा रहे अपने नागरिकों के लिए एडवायजरी जारी की

इस्राइल-अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए इस संघर्ष और परमाणु ठिकानों पर हुए जबरदस्त हमलों के बाद तेहरान की धमकियों को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। अमेरिका ने इसके चलते ही विदेश जा रहे अपने नागरिकों के लिए एडवायजरी जारी की है। ईरान की ड्रोन-मिसाइलों और उसकी खुफिया क्षमताओं को देखा जाए तो यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले दिनों में पूरे पश्चिम एशिया में हालात बिगड़ सकते हैं।

चीन बोला- ईरान पर इजराइली-अमेरिकी हमले ने बुरी मिसाल कायम की

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमलों ने दुनिया को गलत मैसेज भेजा और एक बुरी मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि संघर्ष में शामिल सभी पक्षों को स्थिति को शांत करने और वार्ता की ओर लौटने के लिए कदम उठाने चाहिए।

ईरान के समर्थन में खुलकर आया रूस

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद रूस ने सोमवार को ईरान को हरसंभव मदद देने का वादा किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बढ़ते तनाव के बीच सोमवार रूस ने कहा है कि वह ईरान को हर तरह की मदद देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ईरान को किस तरह की मदद चाहिए, यह फैसला तेहरान को करना है। पेसकोव ने कहा कि हमने ईरान को मध्यस्थता की पेशकश की है। यह हमारी तरफ से एक ठोस मदद है। ईरान को जो भी जरूरत होगी।

ईरान में 400 से अधिक लोगों की मौत

यह अमेरिकी हमला इजरायल द्वारा ईरान में कई सैन्य और परमाणु ठिकानों पर किए गए हमलों के बाद हुआ, जिनमें कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, परमाणु वैज्ञानिक और आम नागरिक मारे गए थे। इसके जवाब में ईरान ने भी इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, शनिवार तक ईरान में 400 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 3,500 से अधिक घायल हुए हैं। इजरायल में अब तक 24 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है।

एयर फ्रांस ने 14 जुलाई तक तेल अवीव के लिए उड़ानें सस्पेंड की

एयर फ्रांस ने कहा कि उसने 14 जुलाई तक इजराइल की राजधानी तेल अवीव के लिए अपनी सभी फ्लाइट्स सस्पेंड कर दी हैं। कंपनी ने लेबनान की राजधानी बेरूत से आने-जाने वाली उड़ानें भी 25 जून तक स्थगित कर दी हैं। एयरलाइन संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और सऊदी अरब की राजधानी रियाद से आने-जाने वाली उड़ानें भी 24 जून तक रद्द कर रही है।

ईरान का आरोप- नेतन्याहू ने अमेरिका को जंग में घसीटा

ईरान ने आरोप लगाया है कि नेतन्याहू ने अमेरिका को ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी करने के लिए उकसाया और उसे एक महंगे युद्ध में घसीटा लिया। ईरान की तरफ से एक एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया- अमेरिका ने अपनी सुरक्षा को खतरे में डालकर सिर्फ नेतन्याहू की रक्षा की है।हालांकि, ब्रिटेन और फ्रांस ने इजराइल और अमेरिका के इस कदम से दूरी बनाने की कोशिश की है, लेकिन ईरान ने इन देशों और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी को भी चेतावनी दी। ईरान का कहना है कि वे ईरान में मासूम नागरिकों, खासकर महिलाओं और बच्चों की मौत के नुकसान के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होंगे।

ईरान की होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने की योजना

अमेरिकी हमले से भड़के ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला संकीर्ण समुद्री मार्ग) को नौवहन के लिए बंद करने की धमकी दी है, ताकि अपने दुश्मनों पर दबाव बना सके। सामरिक मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ऐसा होता है तो भारत और चीन की ऊर्जा खरीद के साथ ही वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर इसका महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। होर्मुज का खुला रहना पूरी दुनिया के हित में है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट्स में से एक है, जिसके माध्यम से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का पांचवां हिस्सा दुनियाभर में पहुंचता है। यह फारस की खाड़ी को अरब सागर और हिंद महासागर से जोड़ता है। सबसे संकरे इलाके में लगभग 33 किमी चौड़ी यह संकरी नहर ईरान (उत्तर) को अरब प्रायद्वीप (दक्षिण) से अलग करती है। जलमार्ग में शिपिंग लेन (जहाज के लिए मार्ग) और भी संकरी हैं। यह प्रत्येक दिशा में महज 3 किमी चौड़ी है। इससे यह हमलों और बंद होने के खतरों के प्रति संवेदनशील हो जाती है। वैश्विक तेल का लगभग 30 प्रतिशत व दुनिया की एक तिहाई एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की प्रतिदिन इस जलडमरूमध्य से होकर ढुलाई होती है। इसके बंद होने से वैश्विक आपूर्ति में तत्काल कमी आएगी, जिससे कीमतें बढ़ेंगी।

इजराइली सेना से जुड़ी कंपनी पर ईरान का साइबर हमला

एक ईरानी हैकटिविस्ट ग्रुप ने दावा किया है कि उसने इजराइल की सेना के साथ काम करने वाली एक एल्यूमीनियम कंपनी पर साइबर हमला किया है। उनका कहना है कि इस हमले के जरिए उन्हें इजराइल के कुछ प्रमुख सैन्य और परमाणु ठिकानों की जानकारी मिली है, जिन्हें अब भविष्य के हमलों के लिए संभावित टारगेट माना जा रहा है। इससे पहले भी यह ग्रुप इजराइली कम्युनिकेशन सिस्टम को नुकसान पहुंचाने का दावा कर चुका है।

इजराइल ने ईरान की बदनाम जेल पर हमला किया

इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में मौजूद बदनाम जेल 'इविन' पर हवाई हमला किया। यह जेल राजनीतिक कैदियों के लिए जानी जाती है और यहां अक्सर दोहरी नागरिकता वाले लोगों को रखा जाता है। ईरान इसका इस्तेमाल पश्चिमी देशों के साथ कैदियों की अदला-बदली के लिए करता है। इस हमले में कितना नुकसान हुआ है या कितने लोग हताहत हुए हैं, इसकी पुष्टि फिलहाल नहीं हो पाई है। तेहरान में इजराइल की ओर से जिन जगहों पर हमला किया गया है।

ब्रीफ न्यूज़

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन पर एफआईआर

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हिट एंड रन मामले में एफआईआर दर्ज हो गई है। यह जानकारी गुंटूर जिले के एसपी एस सतीश कुमार ने रविवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। एसपी ने बताया कि पूर्व सीएम की कार ने 5 दिन पहले रोड शो के दौरान 53 साल के व्यक्ति को कुचल दिया था। अस्पताल ले जाते वक्त उनकी मौत हो गई। मृतक का नाम चीली सिंधैया है। वह जगन की पार्टी YSRCP के कार्यकर्ता थे। वीडियो सामने आने के बाद कार्रवाई हुई।

भारत ने पाक विमानों के एयरस्पेस पर लगा प्रतिबंध बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के लिए एयरस्पेस पर लगे प्रतिबंध को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है। सोमवार को जारी किए गए नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के अनुसार ये प्रतिबंध 24 जुलाई तक रहेगा। आदेश के अनुसार किसी भी पाकिस्तानी विमान को भारतीय वायुसीमा में आने की इजाजत नहीं होगी। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने भी भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस पर लगे प्रतिबंध को और एक माह के लिए बढ़ा दिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट प्राधिकारण द्वारा जारी नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के अनुसार प्रतिबंध 23 जून से 23 जुलाई तक रहेगा।

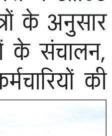

एयर इंडिया के मेन बेस में ऑडिट शुरू

गुरुग्राम। डीजीसीए ने गुरुग्राम स्थित एयर इंडिया के मेन बेस में ऑडिट शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार इस ऑडिट में विमानों के संचालन, समय सारिणी और कर्मचारियों की तैनाती समेत अन्य बिंदुओं से जुड़े तथ्यों की जांच होगी। आठ सदस्यीय टीम ने एयर इंडिया का वार्षिक ऑडिट शुरू किया है। मालूम हो कि अहमदाबाद विमान हादसे के बाद जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। 21 जून को डीजीसीए ने एयर इंडिया से नियोजित और अनियोजित मूल्यांकन से जुड़ी जानकारी मांगी थी।

वारी पर सियासी वॉर

- ▸▸ आजमी ने वारकारी सम्प्रदाय के वारी यात्रा की तुलना सड़कों पर नमाज पढ़ने से की
- ▸▸ अल्पसंख्यक आयोग और नेताओं ने जताई नाराजगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक और महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। वारी यात्रा की भीड़ और सड़क बंद होने की तुलना नमाज पढ़ने से करने वाले आजमी अब सत्तापक्ष ही नहीं, विपक्ष के भी निशाने पर आ गए हैं। उनके बयान को लेकर राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने सख्त रुख अपनाया है और उन्हें नोटिस भेजने की तैयारी कर ली गई है।

आयोग ने जताई आपत्ति

राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष प्यारे खान ने कहा कि आजमी का बयान दो समुदायों के बीच दीवार खड़ी करने जैसा है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टि में यह बयान जानबूझकर मीडिया की सुर्खियों में आने के लिए दिया गया प्रतीत होता है। आयोग के नियम 10 के तहत आजमी को पहले नोटिस भेजा जाएगा और उसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्यारे खान ने यह भी चेतावनी दी कि अगर वारी यात्रा के दौरान कोई सांप्रदायिक तनाव या अप्रिय घटना घटती है, तो आजमी के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी।

राकांपा ने भी साधा निशाना

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे ने आजमी को 'महाराष्ट्र के लिए एक सामाजिक संक्रमण' करार दिया। उन्होंने कहा कि आजमी बार-बार ऐसे बयान देकर सांप्रदायिक तनाव फैलाने की कोशिश करते हैं और राज्य सरकार को उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

नितेश राणे का पलटवार

राज्य सरकार में मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने आजमी को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति हिंदू संस्कृति और त्योहारों पर सवाल उठाने की हिम्मत न करे। उन्होंने तीखा सवाल किया – 'क्या हमें भी हज यात्रा पर सवाल उठाने चाहिए?' राणे ने आगे कहा कि वारी हर महीने नहीं होती, लेकिन हर शुक्रवार को सड़क पर नमाज पढ़ी जाती है, जिससे मुंबईकरों को असुविधा होती है – उस पर आजमी क्यों चुप रहते हैं?

सियासत से रिटायरमेंट लेंगे भास्कर जाधव

शरद पवार के साथ छोड़ने को बताया 'जीवन की सबसे बड़ी भूल'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के वरिष्ठ नेता और आठ बार के विधायक भास्कर जाधव ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अपनी राजनीतिक नाराजगी और संभावित रिटायरमेंट के संकेत देकर राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी में उनकी योग्यता के अनुसार सम्मान और जिम्मेदारी नहीं मिल रही, जिससे वे आहत हैं।

ठाकरे से व्यक्तिगत कोई गिला नहीं

जाधव ने कहा कि उन्हें मातोश्री में प्रवेश के लिए कभी अपॉइंटमेंट नहीं लेना पड़ता, सुरक्षा गार्ड उन्हें पहचानते हैं, लेकिन अनुशासन का पालन करते हुए वे स्वेच्छा से सीमाएं नहीं लांघते। उन्होंने संकेत दिया कि लगातार उपेक्षा के कारण अब उन्हें राजनीति से संन्यास लेने पर विचार करना चाहिए।

'मंत्री नहीं बनाया गया, फिर भी पार्टी के साथ रहा'

एक साक्षात्कार में जाधव ने स्पष्ट कहा, "शरद पवार को छोड़कर शिवसेना (अविभाजित) में आना मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती थी। मैं उस फैसले पर आज भी पछता रहा हूं।" उन्होंने यह भी कहा कि महायुति या महाआघाड़ी की सरकार में उन्हें मंत्री बनाया जाना चाहिए था, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो वे न तो नाराज होकर पार्टी छोड़कर गए और न ही शिकायत करते बैठे रहे।

'अगर कोई सत्ता के लिए जाता है, तो रोका नहीं जा सकता'

जाधव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (उद्धव) के राज्यसभा सांसद संजय राऊत ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि जाधव नाराज हैं। "अगर कोई सत्ता के लोभ में पार्टी छोड़ना चाहता है, तो उसे रोका नहीं जा सकता," उन्होंने कहा। साथ ही अजित पवार के उदाहरण का हवाला देते हुए यह भी जोड़ा कि "सत्ता के लिए लोग शरद पवार जैसे वरिष्ठ नेता को भी छोड़ देते हैं।"

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड
जीशान अख्तर का ब्रेनवॉश

- ▸▸ बिश्नोई के गुर्गे आकाश ने जीशान को साजिश में किया था शामिल
- ▸▸ कनाडा में पकड़ा गया जीशान पहले बमबिहा गिरोह के लिए करता था काम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राकांपा (अजित पवार गुट) के वरिष्ठ नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच में क्राइम ब्रांच को एक अहम सुराग हाथ लगा है। जांच में सामने आया है कि कनाडा में हिरासत में लिया गया आरोपी जीशान अख्तर पहले बिश्नोई गिरोह से जुड़ा हुआ नहीं था। वह पहले पंजाब के बमबिहा गैंग के लिए काम करता था, जो कि बिश्नोई गिरोह का विरोधी माना जाता है।

आकाश चौहान ने किया ब्रेनवॉश

सूत्रों के अनुसार, बिश्नोई गिरोह के खास गुर्गे आकाश चौहान ने अनमोल बिश्नोई के निर्देश पर जीशान का ब्रेनवॉश किया और उसे पैसों का लालच देकर बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश में शामिल कर लिया। यह साजिश पंजाब की जेलों में बंद गिरोह के सदस्यों के इशारों पर रची गई थी।

जमानत के बाद रची हत्या की योजना

बताया जा रहा है कि आकाश चौहान वर्तमान में फरीदकोट जेल में बंद है। सूत्रों के मुताबिक, बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश की भूमिका पटियाला जेल में तैयार की गई थी, जहां से आकाश ने जीशान से संपर्क साधा। इसके बाद जीशान को जेल से जमानत पर रिहा करवाया गया और 7 जून को रिहा होने के तुरंत बाद उसने आकाश से मुलाकात की। इस बैठक में ही उसे हत्या की साजिश में शामिल किया गया और इसके बदले भारी रकम देने का वादा किया गया। आदेश मिलने के बाद जीशान ने शूटर गुरमेल सिंह की व्यवस्था की और उसे बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए मुंबई भेजा। साथ ही उसने एक और आरोपी शुभम

विदेशी दूतावास की सुरक्षा में चूक

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक विदेशी दूतावास की सुरक्षा में भारी चूक का मामला सामने आया है। साउथ मुंबई स्थित दूतावास को करीब 30 मिनट तक बिना किसी सुरक्षा के छोड़ दिया गया और हथियारों से जुड़ी गार्ड रूम की चाबी भी लावारिस हालत में छोड़ दी गई। इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए मुंबई पुलिस ने चार कांस्टेबलों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

चार पुलिसकर्मी सस्पेंड

पुलिस सूत्रों के अनुसार, नायगांव लोकल आर्म्स (LA) डिवीजन से जुड़े कांस्टेबल प्रसाद बनकर, विट्ठल शेलके, शुभम हराचकर और बालाजी वासवे को 17 जून को निलंबित किया गया। इन पर सुरक्षा ड्यूटी के दौरान गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाने और ड्यूटी स्थल को बिना सूचना के छोड़ने का आरोप है।

रात में गायब, दिन में देर से पहुंचे

जानकारी के मुताबिक, कांस्टेबल प्रसाद बनकर और शेलके 17 जून की रात की शिफ्ट में दूतावास की सुरक्षा में तैनात थे, लेकिन सुबह जब एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने अचानक निरीक्षण किया तो दोनों मौके से नदारद मिले। वहीं, दिन की शिफ्ट में तैनात हराचकर और वासवे भी निर्धारित समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। ऐसे में दूतावास करीब आधे घंटे तक पूरी तरह असुरक्षित रहा।

कर्नाटक के मुरुदेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड किया लागू

उत्तरा कन्नड़। कर्नाटक के उत्तरा कन्नड़ जिले में प्रसिद्ध मुरुदेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया गया है। मंदिर प्रशासन ने सोमवार को इस संबंध में नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार मंदिर के पवित्र गर्भ गृह में प्रवेश करने के लिए श्रद्धालुओं के पश्चिमी पहनावे पर रोक लगा दी गई है और उन्हें केवल परंपरागत भारतीय परिधान में ही प्रवेश मिल सकेगा। नोटिस में कहा गया है कि आंतरिक गर्भ गृह में पुरुष केवल परंपरागत धोती या फार्मल पेंट में प्रवेश कर सकेंगे जबकि महिलाओं को केवल साड़ी या सलवार कमीज में ही प्रवेश की अनुमति होगी। मंदिर की ओर से यह निर्णय हिंदू संगठनों की मांग पर लिया गया है।

प्राक्कलन समितियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज

- ▸▸ लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा उपसभापति सहित कई दिग्गज हुए शामिल
- ▸▸ हर रुपया जनता तक पहुंचे, यही लोकतंत्र की आत्मा : उपमुख्यमंत्री शिंदे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधान भवन में सोमवार से संसद और राज्यों की प्राक्कलन समितियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि विकास के लिए खर्च किया जानेवाला हर एक रुपया आम जनता तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है और इस दिशा में प्राक्कलन समितियों की भूमिका बेहद प्रभावशाली है।

प्राक्कलन समितियां करती हैं निगरानी: फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की भूमि पर यह सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त और जिम्मेदार बनाए रखने में समितियों की भूमिका अहम है, जो पूरे वर्ष सरकार पर निगरानी रखती हैं।"

पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतंत्र की नींव: शिंदे

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट एजेंडा है कि सरकार द्वारा खर्च किया जाने वाला हर पैसा सीधे जरूरतमंद तक पहुंचे। प्राक्कलन समितियां इस प्रक्रिया में पारदर्शिता, मितव्ययिता और प्रशासनिक दक्षता सुनिश्चित करने का कार्य करती हैं। शिंदे ने कहा कि संसदीय समितियां लोकतंत्र की आत्मा का दर्पण हैं।

'लाडली बहन योजना' का उल्लेख

शिंदे ने अपनी मुख्यमंत्री काल की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण' योजना का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं बनाने से पहले आरबीआई के दिशा-निर्देश, बजट के प्रावधान और एफआरबीएम कानून की पूरी तरह से समीक्षा की गई। "ऐसी कल्याणकारी योजनाएं जनहित में आवश्यक होती हैं।

पेज-5 भी देखें।

न्यूज़ ब्रीफ

'वर्क फ्रॉम होम' के नाम पर 9.65 लाख की साइबर ठगी

वसई। सोशल मीडिया और टेलीग्राम जैसे ऐप्स के माध्यम से 'वर्क फ्रॉम होम' का झांसा देकर लाखों रुपएकी ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को बोलिंज पुलिस की गुन्हे प्रकटीकरण पथक ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान विशाल जगतसिंह खुबड (28), निवासी रामपुरा गांव, दिल्ली के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता निलेश पाटील, निवासी म्हारंबळपाडा, विरार पश्चिम, को 8 से 15 अक्टूबर 2024 के बीच एक महिला ने खुद को कंपनी प्रतिनिधि बताते हुए घर बैठे काम का ऑफर दिया। शुरुआत में छोटे टास्क देकर पैसों की मामूली वापसी की गई जिससे भरोसा बना। इसके बाद 'गोल्ड बिडिंग', 'प्लैटिनम बिडिंग', 'डबल प्लैटिनम टास्क' जैसे स्कीमों के नाम पर 9,65,577 की ठगी की गई।शिकायतकर्ता द्वारा भेजी गई राशि फेडरल बैंक, बंधन बैंक और आरबीएल बैंक के खातों में ट्रांसफर की गई थी।

साइबर सुरक्षा पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

मुंबई। वैंटेज नॉलेज अकैडमी लिमिटेड, जो कि बीएसई में सूचीबद्ध एक प्रमुख पेशेवर शैक्षणिक कंपनी है, ने साइबर स्किल्सफियर के साथ एक सहयोग समझौता किया है। इस सहयोग के अंतर्गत वे साइबर सुरक्षा में नए मानक लॉन्च कर रहे हैं। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर साइबर सुरक्षा पेशेवरों की एक कार्यबल तैयार करना है, जिससे डिजिटल दुनिया के भविष्य के पेशेवर भारत में ही तैयार किए जा सकें। वैंटेज नॉलेज अकैडमी लिमिटेड के सीएफओ और निदेशक राजेश सी. देढ़िया ने बताया कि इस सहयोग से साइबर सुरक्षा ऑडिटिंग और एश्योरेंस में एक संरचित, बहु-स्तरीय सर्टिफिकेशन कार्यक्रम तैयार किया गया है, जो सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में कार्यान्वित, उद्योग-तैयार पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा करेगा। यह कार्यक्रम ऑडिटिंग बियॉन्ड चेकलिस्ट, सिक्योरिंग बियॉन्ड कॉम्प्लायंसऱ की थीम पर आधारित है। इस पहल का संचालन एक गैर-लाभकारी पेशेवर संस्था द्वारा किया जाएगा, जिसका प्रबंधन दोनों कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह संस्था एक प्रमुख सर्टिफिकेशन और मानक प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगी। इसका लक्ष्य भारत सहित वैश्विक स्तर पर कुशल, प्रमाणित साइबर सुरक्षा कार्यबल और स्वतंत्र पेशेवरों को तैयार करना होगा। ये ऐसे पेशेवर होंगे जिन्हें तत्काल रोजगार दिया जा सके और जो विभिन्न उद्योगों की जटिल डिजिटल चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगे।

मोटरसाइकिल चोरी के गिरोह का पर्दाफाश

विरार। बोलिंज पुलिस थाना क्षेत्र में लगातार सामने आ रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर नकेल कसते हुए पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर एक बाइक चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 1 लाख रुपएमूल्य की चार मोटरसाइकिलें और अन्य सामान बरामद किए गए हैं।चोरी की घटनाएं 9 से 10 जून 2025 के बीच सामने आईं जब हसमुख लिम्बाचिया, निवासी विष्णु पार्क, विरार, ने अपनी चॉकलेट रंग की स्कूटी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद 12 से 13 जून के बीच मंगेश पाटिल की काली रंग की स्कूटी भी चोरी हो गई। इन दोनों मामलों ने पुलिस को क्षेत्र में संगठित बाइक चोरी गिरोह की आशंका की ओर इशारा किया। बोलिंज पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बनाई गई विशेष टीम ने घटनास्थलों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। फुटेज से संदिग्धों की पहचान के बाद गुप्त सूचना के आधार पर विरार पश्चिम से दो मुख्य आरोपियों को दबोचा गया। पूछताछ में आरोपियों ने तीन मोटरसाइकिल चोरी की बात कबूल की। पुलिस ने उनके पास से सभी चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कर ली हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 1 लाख रुपए है।

100 दिवसीय कार्ययोजना और विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे की अध्यक्षता में योजनाओं की समीक्षा, तीन नए पोर्टलों का उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति, 100 दिवसीय कार्ययोजना और आगामी 150 दिवसीय कार्यक्रम की समीक्षा के लिए 23 जून को जिलाधिकारी कार्यालय, ठाणे में ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की सहभागिता

इस बैठक में सांसद सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, विधायक किसन कथोरे, सुलभा गायकवाड़, राजेश मोरे, दौलत दरोडा, कुमार आयलानी, निरंजन डावखरे, संजय केलकर, ज्ञानेश्वर म्हात्रे और जिलाधिकारी अशोक शिंगारे समेत जिले के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान ई-संपत्ति, सीएसआर पोर्टल और कर्मचारी ई-सूचना निधि प्रणाली पोर्टल का उद्घाटन किया गया। इन पोर्टलों के माध्यम से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ने की उम्मीद है।

आगामी 150 दिवसीय कार्ययोजना पर विशेष जोर

मंत्री जयकुमार गोरे ने अधिकारियों को आगामी 150 दिनों की योजना बनाने और घरकुल योजना के अंतर्गत मनरेगा मजदूरों को 28,000 रुपएसमय पर देने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। मंत्री गोरे ने कहा कि ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी सिस्टम, आयुष्मान भारत कार्ड वितरण तथा सरकारी योजनाओं का 100% कार्यान्वयन करना अनिवार्य है ताकि प्रतिस्पर्धी, पारदर्शी और प्रभावी प्रशासन स्थापित हो सके।

100 दिवसीय कार्ययोजना की प्रगति और ग्राम पंचायत स्तर पर डोर स्टेप डिलीवरी

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत किए गए कार्यों की जानकारी दी। ग्राम पंचायत विभाग की 'डोर स्टेप डिलीवरी' पहल के अंतर्गत अब तक 2,300 प्रमाणपत्र नागरिकों को उनके घर पर ही वितरित किए गए हैं।

1,100 कर्मचारियों को पदोन्नति पर बधाई

बैठक में मंत्री गोरे ने 1,100 जिला परिषद कर्मचारियों को पदोन्नति के लिए बधाई दी और प्रशासन को और अधिक सरल एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कार्यों के आवंटन के चरणों को कम करने के निर्देश दिए।

जर्जर मकान की दीवार गिरने से बुजुर्ग महिला घायल

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

शहर के थर्ड निजामपुर क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक पुराने और जर्जर मकान की दीवार ढहने की घटना में 67 वर्षीय बुजुर्ग महिला घायल हो गईं। हादसा मकान क्रमांक 32 में हुआ, जिसे भिवंडी महानगरपालिका ने पहले ही खतरनाक घोषित किया था।

मलबा गिरने से महिला गंभीर रूप से घायल

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दीवार के गिरने से मलबा पास के घर में जा गिरा, जहां तरन्नुम पटेल (67) नामक महिला सो रही थीं। मलबा सिर पर गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

70–80 साल पुराना था लोड-बेयरिंग मकान

बताया गया कि जिस इमारत की दीवार गिरी, वह लगभग 70 से 80 साल पुरानी थी और लोड-बेयरिंग संरचना पर आधारित थी। वर्षों से जर्जर हालत में होने के कारण इसे महानगरपालिका द्वारा 'खतरनाक इमारत' घोषित किया गया था। घटना के तुरंत बाद प्रभाग समिति क्रमांक 5 के सहायक आयुक्त बलराम भोईर घटनास्थल पर पहुंचे और बताया कि यह इमारत पूर्व में खतरनाक घोषित की जा चुकी थी। दुर्घटना के बाद एहतियातन इसे सुबह से ही ध्वस्त करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

उल्हासनगर मनपा के पूर्व पीआईओ पर 25,000 रुपएका जुर्माना

उल्हासनगर । महाराष्ट्र राज्य सूचना आयुक्त (कोकण बेंच) ने एक महत्वपूर्ण आदेश में उल्हासनगर महानगरपालिका (मनपा) के लोक निर्माण विभाग (PWD) के सेवानिवृत्त लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) अश्विनी आहूजा पर 25,000 का जुर्माना लगाया है। यह दंड सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई जानकारी को जानबूझकर विलंबित और उपेक्षित करने के लिए लगाया गया।

आरटीआई कार्यकर्ता सत्यजीत बर्मन की अपील पर हुआ निर्णय

यह आदेश दिनांक 11 जून 2025 को वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता सत्यजीत बर्मन द्वारा दायर द्वितीय अपील की सुनवाई के बाद पारित किया गया। बर्मन ने आरटीआई अधिनियम के तहत मांगी गई जानकारी में हुई अनुचित देरी और गैर-जवाबदेही को उजागर किया था। आयोग द्वारा मामले की गहन समीक्षा के बाद पाया गया कि आहूजा ने अपने कार्यकाल के दौरान एक जिम्मेदार पीआईओ के रूप में कानूनी कर्तव्यों का पालन नहीं किया। आयोग ने माना कि उन्होंने जानबूझकर जानकारी देने में टालमटोल और लापरवाही बरती, जो कि सूचना अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है। इस गैर-अनुपालन के चलते, आयोग ने RTI अधिनियम की धारा 20(1) के तहत अधिकतम 25,000 रुपएका जुर्माना लगाया है, जो कि इस कानून के तहत पीआईओ पर लगाए जा सकने वाले अधिकतम दंड की सीमा है।

मनपा की सख्त कार्रवाई

30 अनधिकृत निर्माणों पर चला बुलडोजर

- एमआरटीपी एक्ट के तहत दर्ज हुए मामले
- नौ प्रभागों में उपायुक्तों के नेतृत्व में कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका (मनपा) द्वारा शहर में अनधिकृत निर्माणों पर शिकंजा कसते हुए 30 अवैध निर्माण कार्यों को ध्वस्त किया गया है। यह कार्रवाई उच्च न्यायालय के निर्देश के तहत की गई, जिसके तहत मनपा के नौ प्रभाग समिति क्षेत्रों में विशेष सर्वेक्षण और ध्वस्तीकरण अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई में एमआरटीपी अधिनियम (Maharashtra Regional and Town Planning Act) के तहत भी प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

दिवा में विरोध, फिर भी कार्रवाई जारी

दिवा क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान 17 इमारतों में से 2 और इमारतें ध्वस्त की गईं, जिससे अब तक कुल 13 इमारतें गिराई जा चुकी हैं। विरोध के बावजूद, पुलिस सुरक्षा में कार्रवाई जारी रही। मौके पर उपायुक्त मनीष जोशी, सचिन सांगले और पुलिस उपायुक्त सुभाष चंद्र बोरसे उपस्थित थे।

जहां हुई कार्रवाई

क्षेत्र	ध्वस्त निर्माण
नौपाडा-कोपरी	3
दिवा	8
मुंब्रा	3
कलवा	1
उथलसर	2
मजीवाड़ा-'	
मानपाड़ा	7
वर्तक नगर	2
लोकमान्य नगर	2
वागले एस्टेट	2
कुल	30

प्रभाग स्तर पर बनाई गई विशेष टीमें

मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देश पर गठित विशेष दलों का नेतृत्व उपायुक्त स्तर के अधिकारियों को सौंपा गया है। ये टीमें बीट निरीक्षकों द्वारा तैयार अभिलेखों के आधार पर अनधिकृत निर्माणों की पहचान कर कार्रवाई कर रही हैं। अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त शंकर पटोले ने जानकारी दी कि यह अभियान चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

मोघरपाड़ा के जमीन मालिक 'सह्याद्रि' बैठक के फैसले पर अड़े

- विधायक संजय केलकर से की मुलाकात, पुनर्वास की मांग पर अडिग

ठाणे। ठाणे के मोघरपाड़ा क्षेत्र में मेट्रो कार शेड परियोजना के लिए अधिग्रहित जमीन के मुद्दे पर विवाद गहराता जा रहा है। दो साल पहले मुंबई के सह्याद्रि बंगले में हुई उच्चस्तरीय बैठक में लिए गए निर्णयों को लागू करने की मांग को लेकर लगभग 250 प्रभावित किसान भाजपा विधायक संजय केलकर से मिले। उन्होंने पुनर्वास और न्यायपूर्ण मुआवजे की मांग करते हुए अपनी नाराजगी दर्ज कराई।

किसानों की स्पष्ट मांग

किसानों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन पुराने फैसलों के साथ छल नहीं होना चाहिए। उन्होंने विधायक संजय केलकर की जनसेवक जनसंवाद पहल के माध्यम से संपर्क साधा और पुराने वादों को लागू करने की गुहार लगाई।

विधायक केलकर ने जताया भरोसा

इस संबंध में विधायक संजय केलकर ने कहा, किसानों को स्थायी भूखंड देने का वादा किया गया था। वे वर्षों से इस भूमि पर खेती कर रहे हैं। मैं एमएमआरडीए, जिलाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर इन्हें न्याय दिलाने का प्रयास करूंगा।

22.5% पुनर्वास नीति पर किसानों की असहमति

एमएमआरडीए द्वारा अधिग्रहित 174 .01 हेक्टेयर भूमि में से प्रभावित 167 लीजधारक किसानों और 32 अतिक्रमणकारियों को क्रमश: 22.5% और 12.5% पुनर्वास भूमि देने की घोषणा की गई है। लेकिन किसान इस प्रस्ताव को नकार चुके हैं और 2022 की सह्याद्रि बैठक में किए गए स्थायी भूखंड देने के निर्णय को लागू करने की मांग कर रहे हैं।

बुजुर्ग मां बाप को बेटों ने पीटकर घर से निकाला

पालघर। पालघर जिले में करीब 75 साल के एक बुजुर्ग दंपति को उनके दो बेटों ने कथित तौर पर पीटा और घर से निकाल दिया। पुलिस ने दोनों बेटों और उनकी पत्नियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों बुजुर्गों को आरोपियों ने कथित तौर पर कई बार पीटा और 16 जून को वसई के पाटिल अली इलाके में उनके घर से निकाल दिया। दंपति के पास जाने के लिए कोई जगह नहीं थी और उन्हें एक स्थानीय एनजीओ के स्वयंसेवक ने अस्थायी आश्रय प्रदान किया। अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और मामले की जांच की जा रही है।

ओवरलोड से 100 से अधिक घरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्षतिग्रस्त

- नागरिकों की महावितरण से मुआवजे की मांग, शिवसेना ने दी आंदोलन की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

शनिवार को उल्हासनगर कैंप नंबर 1 के तानाजी नगर और गणगौर चौक इलाकों में अचानक बिजली आपूर्ति में ओवरलोड के कारण 100 से अधिक घरों में टीवी, फ्रिज, वॉटर हीटर, वाई-फाई राउटर सहित कई महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो गए। इस तकनीकी गड़बड़ी के बाद इलाके के नागरिकों में भारी आक्रोश देखा गया। पहले से ही बिजली कटौती से परेशान नागरिकों का कहना है कि अब ओवरलोड की वजह से हुए नुकसान के लिए उन्हें मुआवजा मिलना चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने महावितरण से तुरंत मुआवजे की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही शिवसेना शाखा प्रमुख केशव ओवालेकर, युवा सेना शहर अधिकारी बाला श्रीखंडे, पूर्व नगरसेवक दिलीप गायकवाड़, पप्पू वाघ, और शाम घोडके ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर नुकसान का आकलन किया और बिजली बिलों के सबूत एकत्रित किए।

महावितरण अधिकारियों से मुलाकात, आंदोलन की चेतावनी

शिवसेना प्रतिनिधिमंडल ने महावितरण के अधिकारी हरीश भराडे से मुलाकात कर तत्काल आर्थिक मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि यदि महावितरण द्वारा शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो तेज आंदोलन छेड़ा जाएगा। स्थानीय नेताओं का आरोप है कि घटना के दो घंटे बाद भी कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे नागरिकों की नाराजगी और बढ़ गई है।

हादसे को दावत देते पेड़ों पर लगे अवैध रौशनी के तार

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे पूर्व में मानसून के दौरान पेड़ों पर अवैध रूप से लगाए गए बिजली के तार अब दुर्घटना को निमंत्रण दे रहे हैं। जीजामाता मार्ग पर कई पेड़ों पर असुरक्षित ढंग से रौशनी के लिए तार लगाए गए हैं, जो न केवल पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं बल्कि राहगीरों और पशुओं के लिए भी घातक साबित हो सकते हैं। मूसलधार बारिश के दौरान अक्सर पेड़ गिरने या उन पर बिजली गिरने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में बिजली के तारों का सीधे पेड़ों से जुड़ा होना शॉर्ट सर्किट, बिजली के झटके, पेड़ में आग, और सड़क दुर्घटनाओं जैसी गंभीर घटनाओं को जन्म दे सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह केवल सौंदर्यीकरण के नाम पर किया गया अवैध कार्य है, जो पर्यावरण और नागरिक सुरक्षा, दोनों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जताया रोष

पर्यावरण प्रेमी पंडालिक घाग ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा की पेड़ों पर इस प्रकार बिजली की रौशनी डालना न केवल गैरकानूनी है बल्कि प्रकृति के साथ एक बड़ा अन्याय भी है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।" सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों ने भी इस मामले को लेकर ठाणे मनपा से तत्काल हस्तक्षेप और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मनपा के आदेशों की उड़ रही धज्जियां

ठाणे नगर निगम और उद्यान विभाग ने पहले ही पेड़ों पर बिजली की रोशनी लगाने पर सख्त प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद यह कार्य किसकी अनुमति और सहमति से हो रहा है, यह बड़ा सवाल बन गया है। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि मनपा प्रशासन इस मुद्दे पर आंखें मूंदे बैठा है।

सपा विधायक अबू आजमी पर भड़काऊ बयानबाज़ी का आरोप

ठाणे/मुंबई। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर राजनीतिक विवादों के घेरे में आ गए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुख्य प्रवक्ता आनंद परांजपे ने सोमवार को उन पर भड़काऊ बयानबाजी का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आषाढ़ी वारी की परंपरा पर सवाल उठाने से बिफरी एनसीपी

परांजपे ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि अबू आजमी ने सोलापुर जिले के पंढरपुर में आयोजित 800 वर्षों से चली आ रही आध्यात्मिक परंपरा आषाढ़ी वारी पर टिप्पणी कर राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक भावना को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि यह वारी संत ज्ञानेश्वर और संत तुकाराम की पालकियों के माध्यम से देहू और आलंदी से पंढरपुर तक जाती है और इसमें लाखों वारकरी भाग लेते हैं, जिनमें कई मुस्लिम श्रद्धालु भी अपनी सेवा देते हैं।

आजमी समाज में विभाजन की राजनीति कर रहे हैं: परांजपे

मीडिया से बातचीत में परांजपे ने आरोप लगाया कि अबू आजमी हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति कर समाज में तनाव फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "जब मुस्लिम समाज सड़कों पर नमाज अदा करता है, तो उसे भीड़ बताया जाता है, लेकिन आषाढ़ी वारी पर आजमी ट्रैफिक जाम का मुद्दा उठाकर धार्मिक परंपराओं को निशाना बना रहे हैं। यह आचरण सहन नहीं किया जा सकता।"

वरिष्ठ नागरिक पर 1 लाख का जुर्माना

- बिल्डर और मकान मालिक पर याचिका को कोर्ट ने बताया 'जबरन वसूली'
- याचिका खारिज, शहीद जवानों के कल्याण कोष में जमा करने का निर्देश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक वरिष्ठ नागरिक की याचिका को 'जबरन वसूली का प्रयास' करार देते हुए उस पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने यह जुर्माना भारतीय सेना के शहीद जवानों के कल्याण कोष में जमा कराने का आदेश दिया है। यह मामला मुंबई महानगरपालिका (BMC) द्वारा बिल्डर को जारी किए गए अधिभोग प्रमाणपत्र (OC) को रद्द करवाने और एक फ्लैट के कब्जे को लेकर दायर याचिका से जुड़ा था।

अदालत की टिप्पणी

न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ ने कहा कि यह याचिका पूरी तरह से कानून का दुरुपयोग है। ऐसा लगता है कि याचिकाकर्ता सिविल विवाद को अनुच्छेद 226 के तहत जबरन संवैधानिक अदालत में घसीटना चाहते हैं। यह सिर्फ और सिर्फ बिल्डर और मकान मालिक से वसूली का तरीका है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किरायेदार, मकान मालिक को शर्तें नहीं बता सकता, और यदि उसे किसी समझौते से शिकायत है, तो उसका उपाय सिविल अदालत में जाना है, न कि हाई कोर्ट।

क्या था मामला?

याचिकाकर्ता अजीत धारिया नामक वरिष्ठ नागरिक ने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाई कोर्ट से मांग की थी कि बीएमसी द्वारा बिल्डर को जारी किया गया ओसी रद्द किया जाए और उनके लिए आरक्षित फ्लैट पर कब्जा दिलाया जाए। लेकिन अदालत ने इस याचिका को न केवल लॉटर टिकट खरीदने जैसा प्रयास बताया, बल्कि यह भी कहा कि इसका उद्देश्य मकान मालिक और बिल्डर पर दबाव बनाकर अनुचित लाभ उठाना है।

पूर्व उदाहरण का हवाला

पीठ ने 'खिमजीभाई हरजीवनभाई पटाडिया बनाम मुंबई महानगरपालिका' मामले का हवाला देते हुए कहा कि यह मामला भी उसी तरह का है, जहां अनुचित लाभ कमाने की मंशा से अदालत का उपयोग करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने न केवल याचिका को खारिज किया, बल्कि याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और आदेश दिया कि यह राशि युद्ध में शहीद भारतीय जवानों के कल्याण कोष में जमा की जाए।

कुछ अधिकारी बहुत ज्यादा होशियार होते हैं: नीलम गोर्हे

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे ने सोमवार को सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर बड़ा बयान दिया। विधान भवन में आयोजित प्राक्कलन समितियों के सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कुछ सरकारी अधिकारी इतने ₹चालाक₹ होते हैं कि वे रिटायरमेंट तक खुद को विधानमंडल की प्राक्कलन या वैधानिक समितियों के सामने साक्ष्य देने से बचाते हैं। गोर्हे ने कहा, ऐसा लगता है कि हम विधायक और सांसद ही बहुत चालक हैं, लेकिन कुछ अधिकारी हमसे भी ज्यादा होशियार हैं। उन्होंने बताया कि जब वे प्राक्कलन समिति की सदस्य थीं, तब सिंचाई परियोजनाओं के बजट को लेकर सवाल उठे थे और संबंधित अधिकारियों को साक्ष्य के लिए बुलाया गया था। लेकिन बार-बार तारीखें बढ़वाकर वे पेश होने से बचते रहे।

दो दिन में सुलझी हत्या की गुत्थी

- मानखुर्द पुलिस ने खोए हुए शख्स की हत्या का किया पर्दाफाश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के मानखुर्द पुलिस थाने की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने एक गुमशुदगी के मामले को हत्या में बदलते हुए महज दो दिनों में सुलझा लिया। मृतक की पहचान ओला-उबर चालक मोहम्मद सलीम अब्दुल करीम वाहिद अंसारी (30) के रूप में हुई है, और चौंकाने वाली बात यह है कि उसका कातिल कोई और नहीं बल्कि उसका करीबी दोस्त ही निकला।

18 जून से लापता था सलीम

सलीम 18 जून को अपनी कार (MH03ES1507) के साथ पिंपरी-चिंचवड़, पुणे के लिए निकला था, लेकिन रास्ते में परिवार से उसका संपर्क टूट गया। 19 जून की आधी रात को उसके भाई ने मानखुर्द पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत (क्र. 94/2025) दर्ज करवाई।

शव मिला कामशेत टोलनाका के पास, तकनीकी जांच से खुला राज

पुलिस उपायुक्त परिमंडल-6 समीर शेख और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मधु घोरपडे के मार्गदर्शन में तीन विशेष जांच टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान सलीम की कार पुणे के भोसरी इलाके में मिली, वहीं कामशेत थाना क्षेत्र के उर्से टोलनाका के पास एक अज्ञात शव मिलने की खबर आई, जिसकी पहचान बाद में सलीम के रूप में हुई।सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल्स के माध्यम से पुलिस ने सलीम के संपर्क में आए लोगों की छानबीन शुरू की। साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने लातूर निवासी आदित्य को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने सलीम से कुछ दिन पहले गाड़ी खरीदने की बात की थी। 18 जून को दोनों की दादर में मुलाकात हुई और वहीं से पुणे के लिए रवाना हुए। रास्ते में पैसों को लेकर विवाद बढ़ गया, जिसके बाद आदित्य ने डैशबोर्ड में रखे चाकू से सलीम की हत्या कर दी और लाश को सड़क किनारे फेंककर फरार हो गया। इसके बाद जब कार खराब हो गई, तो उसने टोचन वैन के जरिए कार को भोसरी के एक गैराज में खड़ा करवा दिया।

नीट अंकों में हेरफेर मामले में दो को जमानत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 के अंकों में हेरफेर के मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों, संदीप शाह और सलीम पटेल को विशेष सीबीआई अदालत ने जमानत दे दी है। न्यायाधीश वी.पी. देसाई ने 21 जून को यह आदेश दिया, जिसकी जानकारी सोमवार को सार्वजनिक हुई। सीबीआई ने अदालत से आग्रह किया था कि चूंकि इस मामले में तीन अन्य आरोपी अब तक फरार हैं, इसलिए इन दोनों को जमानत न दी जाए। जांच एजेंसी के अनुसार, एक आरोपी राजीव सिन्हा देश छोड़कर भाग चुका है, जबकि दो अन्य बिहार में कहीं छिपे हुए हैं। हालांकि अदालत ने माना कि जब तक यह स्पष्ट नहीं होता कि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी कब होगी, तब तक केवल उनके फरार होने का हवाला देकर जमानत से इनकार करना उचित नहीं होगा।

10 जून को हुई थी गिरफ्तारी

सीबीआई ने संदीप शाह और सलीम पटेल को 10 जून को नीट-यूजी 2025 में शामिल कुछ अभ्यर्थियों और उनके परिवारों के साथ धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया था। उन पर परीक्षा परिणामों में हेरफेर कर छात्रों को लाभ पहुंचाने की साजिश में शामिल होने का आरोप है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जांच अधिकारी यह बताने में असमर्थ हैं कि बाकी आरोपियों को कब गिरफ्तार किया जाएगा। सिर्फ इस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती कि अन्य आरोपी फरार हैं। इस मामले की जांच अभी भी जारी है और सीबीआई को अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की प्रतीक्षा है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए मनपा शिक्षकों की नियुक्ति

- ऑनलाइन काम करेंगे शिक्षक, मूल कार्यालय से नहीं किया जाएगा मुक्त

मुंबई। महाराष्ट्र में संभावित निकाय चुनावों की तैयारियों के तहत भारत चुनाव आयोग जल्द ही मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। इसके मद्देनज़र मुंबई मनपा प्रशासन ने शिक्षकों को इस प्रक्रिया में शामिल करते हुए मतदाता सूची संशोधन कार्य हेतु नियुक्त किया है।

ऑनलाइन कार्य की व्यवस्था, फील्ड में जाने की आवश्यकता नहीं

मुंबई मनपा ने स्पष्ट किया है कि शिक्षकों को अपने मूल कार्यालय से मुक्त नहीं किया जाएगा। उन्हें अपने नियमित कार्य के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से मतदाता सूची के कार्यों को संपन्न करना होगा। इसके लिए शिक्षकों को स्थानीय मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

बीएलओ और पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति

महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर मतदान केंद्र स्तर के अधिकारी (बीएलओ) तथा बीएलओ पर्यवेक्षकों की नियुक्ति का कार्य भी किया गया है। मनपा आयुक्त भूषण गगरानी के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग ने अपने अधीनस्थ शिक्षकों को विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी है।

पूर्व चुनावों की तरह जिम्मेदारी

पिछले चुनावों की तर्ज पर इस बार भी शिक्षकों को बीएलओ के रूप में नियुक्त किया गया है। हालांकि, इस बार फिजिकल वर्क की बजाय डिजिटल माध्यम से कार्य करने की सुविधा दी गई है, जिससे न केवल शिक्षकों के दैनिक कार्य बाधित नहीं होंगे, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रिया में डिजिटलीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर टैंकर पुल से नीचे खाड़ी में गिरा, चालक की मौत

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर सोमवार को एक तेज रफ्तार टैंकर पुल की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए खाड़ी में गिर गया, जिसमें चालक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि जब वाहन ठाणे की ओर जा रहा था और घोड़बंदर क्षेत्र में पुराने वर्सोवा पुल को पार कर रहा था, तब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। भारी वाहन पुल की लोहे की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए खाड़ी में जा गिरा। उन्होंने बताया कि हादसे के चलते घोड़बंदर रोड पर लंबा जाम लग गया। क्रेन की मदद से टैंकर को बाहर निकालने के लिए अभियान चलाया गया। चालक का शव बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस बात का पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसे के समय क्या वाहन में कोई सहायक भी मौजूद था।

वाक इन इंटरव्यू

अधिसूचना

02.07.2025 को जगजीवनराम अस्पताल सीनियर रेजिडेंट के पद के लिए

स्थान:- 7वीं मंजिल, ऑडिटोरियम, जगजीवनराम अस्पताल, पश्चिमी रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008.
पंजीकरण समय: सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक कमरा नंबर 22, ग्राउंड फ्लोर,
स्थापना कार्यालय - जगजीवनराम अस्पताल, मुंबई सेंट्रल में।

निर्धारित समय के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
विभागवार रिक्तियां:-

क्रमांक	विभाग	रिक्तिया
01	CVTS मेडिसिन	02
02	CVTS सर्जरी	02
03	CVTS एनेस्थीसिया	03
04	जनरल एनेस्थीसिया	01
05	जनरल सर्जरी	01
06	OBGY	01
	कुल	10

आरक्षण: UR-03, SC-02, ST-शून्य, OBC--04, EWS-01= कुल - 10.
- अधिसूचना की तिथि के अनुसार आयु सीमा 45 वर्ष.
- राज्य/केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विशेषता में स्नातकोत्तर उपाधि/ MD-DNB या डिप्लोमा.
- पारिश्रमिक रु. 1,35,000/- लगभग प्रति माह.

नोट: यदि अधिक संख्या में अभ्यर्थी वॉक इन इंटरव्यू के लिए उपस्थित होते हैं तो साक्षात्कार की प्रक्रिया अगले कार्य दिवस पर भी जारी रहेगी।
चयन वॉक इन इंटरव्यू की प्रक्रिया के माध्यम से होगा।
वॉक इन इंटरव्यू के समय सभी दस्तावेज मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे तथा उनकी सत्यापित प्रतियाँ उचित रूप से व्यवस्थित तथा स्टेपल करके अवश्य लानी होंगी।
वॉक इन इंटरव्यू के लिए अलग से कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी।
एससी/एसटी तथा ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण पत्र केंद्र सरकार के प्रारूप में होना चाहिए तथा ओबीसी एनसीएल प्रमाण पत्र जून 2025 तक अद्यतन होना चाहिए।
ऊपर दर्शाई गई रिक्तियाँ भिन्न हो सकती हैं तथा यहाँ दर्शाए गए पद को रेलवे प्रशासन के विवेक पर रिक्त रखा जा सकता है।
अधिसूचित रिक्तियों के भरे जाने तक प्रत्येक तीसरे गुरुवार को वॉक इन इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा।
कृपया दो हाल ही के पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ साथ लाएँ।
जगजीवनराम अस्पताल, पश्चिमी रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400008 के सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स पद को डीएमईआरआर महाराष्ट्र सरकार यूजी/पीजी सेवा बांड के लिए मान्यता प्राप्त है।
अधिक जानकारी के लिए कृपया रेलवे की वेबसाइट पर जाएँ: wr.indianrailways.gov.in समाचार और भर्ती अनुभाग के अंतर्गत।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in

0295

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

दक्षिण मुंबई में छह मंजिला इमारत में आग लगी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दक्षिण मुंबई में मरीन लाइन्स की छह मंजिला इमारत के एक कार्यालय में सोमवार दोपहर आग लग गई। अधिकारी ने बताया कि दमकल और पुलिस इमारत में बचाव कार्य में लगे हुए हैं और अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए छह दमकल गाड़ियां मौके पर है। अधिकारी ने बताया कि इमारत की पांचवीं मंजिल पर स्थित कार्यालय से धुएं का गुबार निकलता देखा जा सकता था। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है।

पश्चिम रेलवे

टीआरडी कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (उप), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई-400 008, **ई-निविदा सूचना संख्या: WR-MMCTOESUB(ESOT)/5/2025 (RT-2) आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** चर्चगेट-विरार सेक्शन में OHE के क्षतिग्रस्त कॉपर क्रॉस फीडरों को बदलकर TRD सिस्टम की विश्वसनीयता में सुधार। **कार्य की अनुमानित लागत: 59,26,841/-। बोली सुरक्षा: 1,18,500/-। प्रस्तुत करने की तिथि और समय:** निर्धारित तरीके से **21.07.2025** को 15:00 बजे से पहले नहीं। **खोलने की तिथि और समय: 21.07.2025** को **15:30** बजे। वेबसाइट विवरण: निविदा को वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से देखा और प्रस्तुत किया जा सकता है। 0302

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

शिवसेना यूबीटी को बड़ा झटका

- संजय लाखे पाटिल ने दिया इस्तीफा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आगामी नगर निकाय चुनावों की सरगर्मी के बीच शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका देते हुए वरिष्ठ नेता संजय लाखे पाटिल ने सोमवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। हालांकि उन्होंने अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि वे जल्द ही शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो सकते हैं।

टिकट वादाखिलाफी से नाराज, राउत और दानवे पर गंभीर आरोप

लाखे पाटिल ने कहा कि उन्होंने जालना विधानसभा सीट से टिकट के वादे पर कांग्रेस छोड़कर उद्धव ठाकरे गुट का दामन थामा था, लेकिन आखिरी समय में उन्हें टिकट नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद संजय राउत और पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने निजी एजेंडे के चलते उन्हें चुनाव लड़ने से रोका।पाटिल ने यह भी कहा कि पार्टी नेता अंबादास दानवे ने उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों से जानबूझकर अलग रखा और लगातार उपेक्षित किया गया, जिससे विस्थापन की भावना उत्पन्न हुई।

कार्यकर्ताओं से करेंगे चर्चा

संजय लाखे पाटिल ने स्पष्ट किया कि वह जल्दबाज़ी में कोई फैसला नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि, "मैं अपनी आगामी रणनीति कार्यकर्ताओं के साथ विचार-विमर्श कर तय करूंगा।" उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि आने वाले दिनों में वे नई राजनीतिक पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

कोर्ट ने दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा के शेयरों का मामला सुलझाया

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिवंगत उद्योगपति और परोपकारी रतन टाटा की वसीयत में स्पष्ट रूप से उल्लिखित नहीं किए गए शेयरों के भविष्य को लेकर कानूनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। न्यायमूर्ति मनीष पितले की पीठ ने अपने फैसले में आदेश दिया कि इन शेयरों को रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट के बीच समान रूप से बांटा जाए। यह फैसला उस प्रोबेट कार्यवाही के तहत आया, जिसमें रतन टाटा की 23 फरवरी 2022 की वसीयत और उसके बाद जुड़े चार कोडिसिल (संशोधन परिशिष्ट) की कानूनी वैधता और व्याख्या की जा रही थी। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि वसीयत में जिन सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध शेयरों का विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, वे टाटा की संपत्ति के शेष और अवशेष₹ भाग के अंतर्गत आते हैं। इन सभी अघोषित शेयरों को न्यायालय के निर्देशानुसार दो धर्मार्थ ट्रस्टों – रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट – को बराबरी में वितरित किया जाएगा।

वसीयत में क्या था भ्रम?

प्रोबेट याचिका में यह सवाल उठाया गया था कि ऐसे शेयरों का क्या किया जाए जिनका मूल वसीयत में उल्लेख नहीं था, लेकिन बाद के कोडिसिल – विशेष रूप से 22 दिसंबर 2023 के कोडिसिल – में संपत्ति के वितरण से संबंधित नया निर्देश शामिल किया गया था। उस कोडिसिल में कहा गया था कि ₹संपत्ति का शेष और अवशेष₹ दोनों धर्मार्थ संस्थाओं को बराबरी से मिलेगा।

महाराष्ट्र सरकार

कार्यकारी अभियंता का कार्यालय,
मध्य मुंबई (सा.बां.) प्रभाग, गणपत जाधव मार्ग, वर्ली, मुंबई- 400 098.

ईमेल: centralmumbai.ee@mahapwd.gov.in	4936404/24931902 फ़ैक्स
जा.क्र.का.अ./ममुंवि/ई-निविदा/ २७४२	दिनांक: 20/06/2025

निविदा सूचना 18 (अठारह) (वर्ष 2025-26)

कार्यकारी अभियंता, मध्य मुंबई (सा.बां.) प्रभाग, वरली, मुंबई कार्यालय टेलीफोन नंबर 24931902/24936404 महाराष्ट्र सरकार के लोक निर्माण विभाग के मुंबई शहर और उपनगरीय जिलों के पंजीकृत शिक्षित बेरोजगार इंजीनियरों से फॉर्म "बी-1" में निम्नलिखित कार्य के लिए निविदाएं आमंत्रित करता है। कार्यकारी अभियंता, सेंट्रल मुंबई (एस.बी.) डिवीजन, वर्ली, मुंबई निविदा को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। सशर्त अस्वीकृति स्वीकार नहीं की जाएगी।

क्र.	कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
1.	स्टूडेंट हॉस्टल बिल्डिंग, वर्ली, मुंबई का वार्षिक रखरखाव और मरम्मत (1 वर्ष)	7.44
2.	कार्यकारी अभियंता, सेंट्रल मुंबई डिवीजन, सा.बां. विभाग कार्यालय, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	3,70
3.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत वर्ली पुलिस स्टेशन, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	4.92
4.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत न्यू विसावा रेस्ट हाउस, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	3.30
5.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत गगनमहल 'अ' बिल्डिंग, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	2,05
6.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत गगनमहल 'ब' बिल्डिंग, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	2.34
7.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत गगनमहल 'क' बिल्डिंग, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	3.88
8.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत स्नेहा 'अ' और 'ब' बिल्डिंग, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	8.39
9.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत स्नेहा 'अ' और 'ब' बिल्डिंग, वर्ली, मुंबई (1 वर्ष)	4.06
10.	वार्षिक रखरखाव और मरम्मत के अंतर्गत कावेरी बिल्डिंग, वर्ली। मुंबई (1 वर्ष)	4.06
11.	सरपोचखानवाला रोड, वर्ली स्थित बिल्डिंग नंबर जी और एच का वार्षिक रखरखाव और मरम्मत करना।	6.44
12.	सरपोचखानवाला रोड, वर्ली स्थित बिल्डिंग नंबर जे, 37, 38, 39 का वार्षिक रखरखाव और मरम्मत करना।	8.56

ई-टेंडर उपलब्ध अवधि-	24/06/2025, 15.00 AM से 01/07/2025, 15.00 PM तक
ई-टेंडर खोलना (यदि संभव हो)	02/07/2025 को 15.00 PM बजे (कार्यकारी अभियंता का कार्यालय, मध्य मुंबई (सा. बां.) डिवीजन, गणपत जाधव मार्ग, वर्ली.

डीजीआयपीआर- 2025-26/1325

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता,
मध्य मुंबई (एस.बी.) डिवीजन,वर्ली, मुंबई

संपादकीय

कबीलाई जंग

आखिरकार ना-नुकर के प्रपंच के बाद अमेरिका ने घातक बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से हमला करके ईरान की तीन न्यूक्लियर साइट तबाह करने का दावा किया है। लगता है कि ईरान का परमाणु सपना हमले के साथ ही बिखर गया है। हाल में उसके कई परमाणु वैज्ञानिक इस्राइली हमलों में मारे गए थे। एक सप्ताह पूर्व इस्राइल ने ईरान के सैन्य स्थलों, भारी जल रिएक्टर तथा नागरिक ठिकानों पर भी हमले किए हैं। इस्राइल दावा करता रहा है कि ईरान उसके अस्तित्व को मिटाना चाहता है और परमाणु बम बनाने के करीब है। वहीं अमेरिका के शीर्ष रक्षा सूत्र ईरान के पास परमाणु बम की मौजूदगी से इनकार करते हैं। हालांकि, पिछले दिनों ईरान ने परमाणु मामले पर अंतर्राष्ट्रीय बातचीत का क्रम शुरू किया था, लेकिन पहले इस्राइली और फिर अमेरिकी हमलों ने अब ऐसी किसी संभावना को खारिज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि का हिस्सा नहीं है। बहरहाल, इस्राइली हमलों के जवाब में ईरान ने तेल अवीव व अन्य शहरों पर जमकर मिसाइलें बरसाई हैं। हालांकि, इस्राइल की वायुरक्षा प्रणाली ने अधिकांश को विफल कर दिया है। इस्राइल के कुछ रक्षा प्रतिष्ठान, स्कूल व अस्पताल ईरान के हमलों की जद में आए हैं। चिंताजनक बात यह है कि लगातार कबीलाई होता संघर्ष दो मुल्कों तक सीमित रहने के बजाय विस्तार लेने की स्थिति में पहुंच गया है। रूस व चीन की चिंताओं के बीच यह युद्ध दुनिया को दो खेमों में बांट सकता है। ऐसा भी नहीं है कि ईरान में सब कुछ ठीक है। निरंकुश सर्वोच्च ईरानी नेता अली खामेनेई धार्मिक कट्टरता और स्वतंत्र-प्रगतिशील सोच के दमन के लिये भी जाने जाते हैं। ईरान की बड़ी आबादी खामेनेई के खिलाफ खड़ी रही है। लेकिन इस संघर्ष का बड़ा खतरा विश्व के नये ध्रुवीकरण के रूप में सामने आ सकता है। कहा जाता रहा है कि ईरान के परमाणु व मिसाइल कार्यक्रम में रूस की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन एक बड़ा संकट यह भी है कच्चे तेल के बड़े स्रोत मध्यपूर्व में इन हमलों के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में भारी उछाल आ गया है। इस संघर्ष के मूल में कच्चे तेल की कूटनीति भी रही है। मध्यपूर्व की अशांति से तेल उत्पादक महाशक्तियों को भारी मुनाफा होता है। कच्चे तेल के दामों में भारी तेजी के कारण कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौट रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को एक बार फिर से झटका लग सकता है। बड़ा संकट यह भी है कि इस टकराव का असर उस होरमुज की खाड़ी पर भी हो सकता है जहां से वैश्विक स्तर पर 21 फीसदी कच्चे तेल की सप्लाई होती है। बहरहाल, इस्राइल व ईरान के संघर्ष और उसमें अमेरिका के कूदने से पूरा मध्यपूर्व अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू करने से पहले भी इस्राइल हमास, हिजबुल्लाह व हूती विद्रोहियों से लड़ रहा था, इस नये मोर्चा खोलने से इस्राइली जनता की मुश्किलें भी और बढ़ गई हैं।

शख्सियत | ओंकारनाथ ठाकुर

शिक्षाशास्त्री, संगीतज्ञ एवं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार

ओंकारनाथ ठाकुर (24 जून 1897–1967) भारत के शिक्षाशास्त्री, संगीतज्ञ एवं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार थे। उनका सम्बन्ध ग्वालियर घराने से था। उन्होने वाराणसी में महामना पं॰ मदनमोहन मालवीय के आग्रह पर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में संगीत के आचार्य पद की गरिमा में वृद्धि की। वे तत्कालीन संगीत परिदृष्य के सबसे आकर्षक व्यक्तित्व थे। पचास और साठ के दशक में पण्डितजी की महफ़िलों का जलवा पूरे देश के मंचों पर छाया रहा।

श्री ओंकारनाथ ठाकुर का जन्म गुजरात के बड़ोदा राज्य में एक गरीब परिवार में हुआ था। उनके दादा महाशंकर जी और पिता गौरीशंकर जी नाना साहब पेशवा की सेना के वीर योद्धा थे। एक बार उनके पिता का सम्पर्क अलोनीबाबा के नाम से विख्यात एक योगी से हुआ। इन महात्मा से दीक्षा लेने के बाद से गौरीशंकर के परिवार की दिशा ही बदल गई। वे प्रणव-साधना अर्थात ओंकार के ध्यान में रहने लगे। तभी २४ जून १८९७ को उनकी चौथी सन्तान ने जन्म लिया। ओंकार-भक्त पिता ने पुत्र का नाम ओंकारनाथ रखा। जन्म के कुछ ही समय बाद यह परिवार बड़ौदा राज्य के जहाज ग्राम से नर्मदा तट पर भड़ौच नामक स्थान पर आकर बस गया। ओंकारनाथ जी का लालन-पालन और प्राथमिक शिक्षा यहीं सम्पन्न हुई। इनका बचपन अभावों में बीता। यहाँ तक कि किशोरावस्था में ओंकारनाथ जी को अपने पिता और परिवार के सदस्यों के भरण-पोषण के लिए एक मिल में नौकरी करनी पड़ी। ओंकारनाथ की आयु जब १४ वर्ष थी, तभी उनके पिता का देहान्त हो गया। उनके जीवन में एक निर्णायक मोड़ तब आया, जब भड़ौच के एक संगीत-प्रेमी सेठ ने किशोर ओंकार की प्रतिभा को पहचाना और उनके बड़े भाई को बुला कर संगीत-शिक्षा के लिए बम्बई के विष्णु दिगम्बर संगीत महाविद्यालय भेजने को कहा। पण्डित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के मार्गदर्शन में उनकी संगीत-शिक्षा आरम्भ हुई। विष्णु दिगम्बर संगीत महाविद्यालय, मुम्बई में प्रवेश लेने के बाद ओंकारनाथ जी ने वहाँ के पाँच वर्ष के पाठ्यक्रम को तीन वर्ष में ही पूरा कर लिया और इसके बाद गुरु जी के चरणों में बैठ कर गुरु-शिष्य परम्परा के अन्तर्गत संगीत की गहन शिक्षा अर्जित की। २० वर्ष की आयु में ही वे इतने पारंगत हो गए कि उन्हें लाहौर के गान्धर्व संगीत विद्यालय का प्रधानाचार्य नियुक्त कर दिया गया। १९३४ में उन्होने मुम्बई में 'संगीत निकेतन' की स्थापना की। १९४० में महामना मदनमोहन मालवीय उन्हें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संगीत संकाय के प्रमुख के रूप में बुलाना चाहते थे किन्तु अर्थाभाव के कारण न बुला सके। बाद में विश्वविद्यालय के एक दीक्षान्त समारोह में शामिल होने जब पण्डित जी आए तो उन्हें वहाँ का वातावरण इतना अच्छा लगा कि वे काशी में ही बस गए। १९५० में उन्होने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के गन्धर्व महाविद्यालय के प्रधानाचार्य का पद-भार ग्रहण किया और १९५७ में सेवानिवृत्त होने तक वहीं रहे। पण्डित ओंकारनाथ ठाकुर का जितना प्रभावशाली व्यक्तित्व था उतना ही असरदार उनका संगीत भी था। एक बार महात्मा गाँधी ने उनका गायन सुन कर टिप्पणी की थी- "पण्डित जी अपनी मात्र एक रचना से जन-समूह को इतना प्रभावित कर सकते हैं, जितना मैं अपने अनेक भाषणों से भी नहीं कर सकता।" उन्होने एक बार सर जगदीशचन्द्र बसु की प्रयोगशाला में पेड़-पौधों पर संगीत के स्वरों के प्रभाव विषय पर अभिनव और सफल प्रयोग किया था।

ईरान पर अमेरिका का हमला

सामरिक संतुलन या फिर तेल का खेल ?

रणजीत सिंह
वरिष्ठ पत्रकार हैं, वर्तमान में ANI महाराष्ट्र ब्यूरो चीफ हैं।

21 जून की रात वैश्विक कूटनीति और सामरिक स्थिरता के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हमला किया। इस ऑपरेशन में अत्याधुनिक B-2 स्टील्थ बॉम्बर्स और टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों का उपयोग किया गया, जिसने न केवल ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका दिया, बल्कि पहले से ही अस्थिर मिडल ईस्ट (पश्चिमी एशिया) में नई उथल-पुथल पैदा कर दी।

यह हमला ऐसे समय हुआ है जब इसराइल और ईरान के बीच सामरिक तनाव पहले से चरम पर था, और गाज़ा पट्टी में चल रही जंग ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवीय और राजनीतिक चिंता को जन्म दिया था। ऐसे में अमेरिका की यह प्रत्यक्ष सैन्य भागीदारी केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि इसके पीछे कहीं अधिक गहरी रणनीति और आर्थिक स्वार्थ दिखाई देते हैं। मध्य पूर्व को दुनिया के कच्चे तेल का सबसे बड़ा भंडार कहा जाता है। ओपेक (OPEC) के आंकड़ों के अनुसार, विश्व के लगभग 70 प्रतिशत तेल भंडार इसी क्षेत्र में स्थित हैं। ईरान अकेले ही प्रतिदिन लगभग 30 लाख बैरल कच्चा तेल निर्यात करता है, जो भारत, चीन और कई यूरोपीय देशों के लिए एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत है। इतिहास गवाह है कि मिडल ईस्ट में हुए अधिकतर युद्ध चाहे वह इराक-ईरान युद्ध (1980-88) हो, कुवैत पर इराक का हमला (1990) या 2003 में अमेरिका द्वारा इराक पर हमला — इन सबकी जड़ें तेल की राजनीति में ही थीं। अब यही तेल एक बार फिर अमेरिका, इसराइल और ईरान के त्रिकोणीय संघर्ष में केंद्र में आ गया है। अमेरिका और इसराइल दोनों का दावा है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के ज़रिए परमाणु हथियारों के निर्माण के अंतिम चरण में पहुँच चुका था। लेकिन इसके समर्थन में अब तक कोई निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। ईरान लगातार यह दावा करता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और ऊर्जा उत्पादन के लिए है।

गौर करने वाली बात यह भी है कि संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था IAEA ने भी हाल के वर्षों में ईरान के कई ठिकानों की जांच की है और कुछ उल्लंघन तो पाए, लेकिन सीधे तौर पर हथियार निर्माण की पुष्टि नहीं की। ऐसे में यह सवाल उठना लाज़मी है कि अमेरिका और इसराइल को अब अचानक ईरान से इतना खतरा क्यों महसूस होने लगा? क्या यह खतरा वास्तव में परमाणु हथियारों से है या इसके पीछे आर्थिक रणनीति छुपी है? एक सवाल यहाँ और बनता है कि क्या इज़राइल के मुश्किल वक़्त में अमेरिका ने इज़राइल का इस्तेमाल अपने आर्थिक और सामरिक हित साधने के लिए कर लिया?

इसराइल और ईरान के बीच यह विवाद या युद्ध भारत सहित पूरी दुनिया के लिए बड़ी चिंता की बात है, क्योंकि इसराइल और ईरान दोनों ही भारत के करीबी मित्र देश हैं। इजरायल, जो हर परिस्थिति में भारत को अपना समर्थन देता आया है, और ईरान, जिसके साथ न सिर्फ हमारे पुराने व्यापारिक संबंध हैं, बल्कि कई बार मुश्किल दौर में उसने भारत का समर्थन और मदद भी की है।

हमारे तेल आयात का एक बड़ा हिस्सा ईरान से आता है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इस आयात के भुगतान को लेकर भी ईरान ने हमें कई तरह की सहूलियतें दी हुई हैं।

ऐसे में भारत का रुख एकदम स्पष्ट है कि ईरान और इजरायल के बीच किसी भी हालत में यह तनाव कम होना चाहिए और खाड़ी देशों में पूर्णतः शांति बहाल होनी चाहिए। यह न केवल भारत के आर्थिक हितों के लिए आवश्यक है, बल्कि ऐसा हुए बिना अंतर्राष्ट्रीय शांति की भी कोई गारंटी नहीं रहेगी।

अमेरिका चाहे लाख दावे कर ले कि ईरान में परमाणु ठिकानों को नष्ट किए जाने के बाद दुनिया में शांति स्थापित होगी, पर सच्चाई तो यही है कि अगर यह युद्ध लंबा खिंच गया, तो ईरान के परमाणु ठिकानों का क्या होगा यह तो स्पष्ट नहीं है। लेकिन वैश्विक तेल बाज़ार में जो अस्थिरता आएगी, उसका नुकसान लगभग पूरी दुनिया को उठाना पड़ेगा — और उसका फायदा सबसे ज़्यादा अमेरिका को ही होगा।

इसलिए ज़रूरी है कि इसराइल और ईरान के बीच जारी विवाद जल्द से जल्द सुलझाया जाए और भारत इसी दिशा में प्रयासरत है।

यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने घातक हथियारों के नाम पर किसी देश पर हमला किया हो। 2003 में अमेरिका ने इराक पर जैविक और रासायनिक हथियारों के नाम पर हमला किया था, लेकिन आज तक उन हथियारों के कोई प्रमाण नहीं मिले। नतीजतन, सद्दाम हुसैन की सत्ता समाप्त हुई और अमेरिका ने इराक के तेल संसाधनों पर अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रण पा लिया।

इराक युद्ध के बाद अमेरिका ने सऊदी अरब, कुवैत और यूएई जैसे तेल उत्पादक देशों से सामरिक संबंध मजबूत कर लिए और वैश्विक तेल व्यापार में अपना प्रभुत्व स्थापित किया। किंतु रूस और ईरान इस प्रभुत्व में हमेशा रोड़ा बने रहे। रूस अपनी ऊर्जा नीति के ज़रिए यूरोप पर प्रभाव डालता रहा और ईरान ने चीन, भारत और टर्की जैसे देशों के साथ ऊर्जा संबंध मज़बूत किए।

वर्तमान में अमेरिका की अर्थव्यवस्था दो बड़े क्षेत्रों पर निर्भर है – तेल और रक्षा सामग्री। रूस-यूक्रेन युद्ध ने अमेरिका को हथियार निर्यातक के तौर पर पुनः सशक्त बना दिया है। 2022 के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका का रक्षा निर्यात 153 अरब डॉलर तक पहुँच गया, जो पिछले दशक की तुलना में 35% अधिक था।

इस युद्ध में अमेरिका ने न केवल यूक्रेन को प्रत्यक्ष आर्थिक और सैन्य सहायता दी, बल्कि नाटो देशों को भी हथियारों और रक्षा तकनीक का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना। इससे अमेरिका को न केवल रूस को उलझाए रखने में सफलता मिली, बल्कि अपनी रक्षा अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने का अवसर भी मिला।

जब रूस एक महायुद्ध में फंसा हुआ है, तब अब ईरान को निशाना बनाना अमेरिका की रणनीतिक प्राथमिकता बन गया है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि ईरान अब चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का हिस्सा बनता जा रहा था, और भारत के साथ चाबहार बंदरगाह परियोजना में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा था।

ये दोनों घटनाक्रम अमेरिका के लिए चिंता का विषय थे, क्योंकि इससे एशिया में उसकी भू-राजनीतिक पकड़ कमजोर हो रही थी। अब जब अमेरिका ने खुद को इस युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से शामिल किया है, तो यह मान लेना कि उसका उद्देश्य सिर्फ ईरान के परमाणु हथियारों को रोकना है एक अधूरा सच ही कहा जा सकता है।

अगर परमाणु हथियार दुनिया के लिए खतरा हैं, तो पाकिस्तान जिसके पास करीब 170 परमाणु हथियार हैं और जो पिछले दो दशकों से आतंकवादियों की पनाहगाह बना हुआ है उस पर अमेरिका कभी सैन्य कार्रवाई क्यों नहीं करता? यह वही देश है जहां ओसामा बिन लादेन एक दशक तक छिपा रहा, जहां से हक्कानी नेटवर्क और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठन दुनिया में हिंसा फैलाते हैं।

यही अमेरिकी नीति की स्पष्ट दोहरी मानसिकता है अगर तेल और सामरिक हित न हों तो अमेरिका आंखें मूंद लेता है, और अगर रणनीतिक लाभ मिल सकता हो, तो वह मानवाधिकारों, परमाणु खतरे या शांति के नाम पर सैन्य हस्तक्षेप कर देता है।

ईरान पर अमेरिकी हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि यह तेल के वैश्विक कारोबार में वर्चस्व कायम रखने की लड़ाई का हिस्सा है। परमाणु हथियारों की आड़ में अमेरिका एक बार फिर वही पुरानी रणनीति दोहरा रहा है, जो उसने इराक और अफगानिस्तान में अपनाई थी।

दुनिया के लिए अब सबसे बड़ा सवाल यही हैः क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस बार भी तेल के लालच में लिपटी इस सैन्य नीति पर चुप रहेगा? या फिर यह समय है जब संयुक्त राष्ट्र और अन्य शक्तिशाली राष्ट्र वास्तविक वैश्विक शांति की दिशा में हस्तक्षेप करेंगे, बजाय किसी एक देश के आर्थिक हितों के लिए दुनिया को बार-बार युद्ध की आग में झोंकने के?

जीवन ऊर्जा

अनीता देसाई : जन्म- 24 जून, 1937 | जन्म

भारत एक अनोखी जगह है जो आज भी अपने इतिहास को संजोए हुए है

अनीता देसाई (जन्मः 24 जून 1937) एक प्रख्यात लेखिका हैं। अनिता देसाई विश्व में अंग्रेजी साहित्य का एक जाना पहचाना नाम है। उपन्यासकार किरण देसाई इनकी पुत्री हैं। भारत सरकार ने भी इन्हें पद्मश्री और 2014 में पद्म भूषण अलंकरण से सम्मानित किया।

भारत एक अनोखी और विविधताओं से भरपूर भूमि है, जो न केवल भौगोलिक रूप से विशाल है, बल्कि सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक रूप से भी बेहद समृद्ध है। यहाँ की सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक युग, मौर्य और गुप्त साम्राज्य, मुगल काल और ब्रिटिश शासन तक भारत ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन हर बार यह देश अपनी जड़ों से जुड़ा रहा है। यही कारण है कि भारत की आत्मा आज भी अपनी परंपराओं, मान्यताओं और मूल्यों में बसती है, जो उसे बाकी दुनिया से अलग बनाती है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता इसकी धार्मिक विविधता है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी और यहूदी सभी धर्मों के लोग यहाँ सदियों से एक साथ रहते आए हैं। इस विविधता में एकता का भाव भारत की संस्कृति की आत्मा है।

चाहे वाराणसी की घाटों पर दीया जलाना हो, अमृतसर में गुरबानी सुनना, अजमेर शरीफ में चादर चढ़ाना या क्रिसमस की रात चर्च में प्रार्थना करना यह सब एक ही देश में संभव है और सहज रूप से एक-दूसरे में घुला-मिला हुआ है। भारत में धर्म केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। इतिहास की दृष्टि से भी भारत एक जीवंत संग्रहालय जैसा है। यहां हर शहर, हर गांव, हर पत्थर के पीछे एक कहानी छुपी है। काशी की गलियों से लेकर हम्पी के खंडहरों तक, राजस्थान के किलों से लेकर मणिपुर की लोक कथाओं तक भारत का अतीत आज भी सांस ले रहा है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

महाभारत का एक मार्मिक प्रसंग

यह प्रसंग महाभारत की गहराइयों में छिपे नैतिक, मानसिक और आध्यात्मिक सत्य को उजागर करता है। यह केवल एक ऐतिहासिक या पौराणिक घटना नहीं है, बल्कि यह मनुष्य की आंतरिक प्रवृत्तियों, उसकी चेतना और उसके कर्मों पर पड़ने वाले प्रभाव का जीवंत चित्रण है। जब भीष्म पितामह, जो सत्य, धर्म और निष्ठा के प्रतीक माने जाते थे, युद्ध के बाद उपदेश दे रहे थे, तभी द्रौपदी की हँसी ने उस शांत वातावरण को झकझोर दिया। यह हँसी केवल उपहास नहीं थी, बल्कि उस समय की स्मृति थी जब धर्म ने स्वयं मौन धारण कर लिया था। द्रौपदी का यह प्रश्न अत्यंत गहरा था जब वह भरी सभा में अपमानित हो रही थी, तब धर्म के ज्ञाता मौन क्यों थे? पितामह की पीड़ा और उत्तर दोनों ही हमें यह सिखाते हैं कि केवल ज्ञान या पद से नहीं, बल्कि भीतर के संस्कारों और भोजन जैसी सूक्ष्म बातों से भी हमारा विवेक नियंत्रित होता है। जब भीष्म ने कहा कि ₹मैं दुर्योधन का अन्न खा रहा था₹, तब उन्होंने इस बात को उजागर किया कि जो अन्न अन्याय से प्राप्त होता है, वह केवल शरीर ही नहीं, बल्कि चेतना को भी प्रदूषित कर देता है। यही कारण था कि एक धर्मात्मा पुरुष भी उस समय अन्याय के विरुद्ध बोल न सका। इस प्रसंग से यह भी स्पष्ट होता है कि किसी भी मनुष्य की चेतना तभी सक्रिय हो सकती है जब उसके भीतर की शुद्धता बनी रहे। अन्न, जो कि शरीर का पोषण करता है, वही मन और संस्कारों को भी प्रभावित करता है।जैसा अन्न, वैसा मन₹ यह केवल कहावत नहीं, बल्कि अनुभव से उपजा सत्य है। भीष्म जैसे महापुरुष ने जब यह स्वीकार किया कि वे उस समय बोल नहीं सके क्योंकि वे दूषित अन्न का सेवन कर रहे थे, तब उन्होंने एक मौन और गहरा आत्मस्वीकृति प्रस्तुत की कि शरीर के साथ-साथ आत्मा का भी पोषण शुद्ध साधनों से ही संभव है।अंततः, यह प्रसंग केवल महाभारत की कथा नहीं, बल्कि एक दर्पण है जिसमें आज भी हम स्वयं को देख सकते हैं। आज भी जब हम अपने कर्म, अपने विचार और अपने आहार पर विचार नहीं करते, तब हम भी उसी मौन और जड़ता के शिकार बन जाते हैं जो धर्म की रक्षा करने में असमर्थ होती है। द्रौपदी की वह हँसी हमें झकझोरती है कि उपदेश तब ही सार्थक हैं जब वे समय पर बोले जाएँ, और हमारी चेतना तब ही जागृत होती है जब हम शुद्धता के मार्ग पर चलें आहार से लेकर विचार तक।

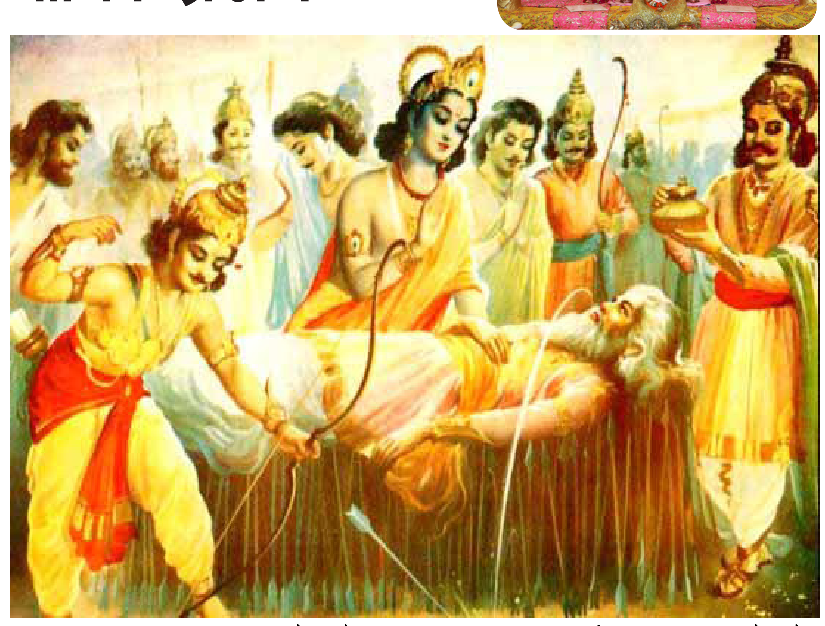

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो। नं। 9425980556

अपने विचार

यह कोई धार्मिक या भाषाई मुद्दा नहीं है। यह एक आर्थिक मुद्दा है। इतना विकास होने के बाद भी परिणाम नहीं दिख रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण बढ़ती हुई जनसंख्या ही है। हमें इस पर काम करने की जरूरत है।

-नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार

मनसे के जो लोग गठबंधन के खिलाफ बोल रहे हैं, वे राजनीति में देर से आए हैं। दूसरे क्या कहते हैं, उसका कोई महत्व नहीं है। मैंने ठाकरे बंधुओं को कई वर्षों तक करीब से देखा है। मैं जानता हूं कि क्या होने वाला है और क्या नहीं। मुझसे बेहतर कोई नहीं जानता।'

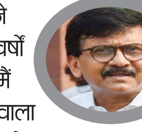

-संजय राउत, नेता, शिवसेना (उबाठा)

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया बेहद जरूरी थी। जैसे तत्काल सैन्य कार्रवाई निर्णायक साबित हुई, वैश्विक धारणाओं को आकार देने में उसके बाद की कूटनीतिक पहुंच उतनी ही महत्वपूर्ण थी।

-शशि थरूर, नेता, कांग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ईरान की धरती पर की जा रही इस बमबारी और सुनियोजित हत्याओं की कड़ी निंदा करती है। यह हमला क्षेत्र में युद्ध को और भड़का सकता है, जिसके गंभीर क्षेत्रीय और वैश्विक परिणाम होंगे।

-सोनिया गांधी, अध्यक्ष,कांग्रेस संसदीय दल

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं। 2, के। के। चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail ।com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि। " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं। 2, के। के। चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं। 4, एन।के।इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं। 2, गोरेगांव पू।, मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं। 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail ।com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी।आर।बी। अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

ब्रीफ न्यूज़

29 जून को ब्राह्मण वर-वधू परिचय सम्मेलन

उल्हासनगर : विश्व ब्राह्मण समाज - कल्याण संस्था के तत्वावधान में रविवार, 29 जून को सरयूपारीण ब्राह्मण समाज का वर-वधू परिचय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन कल्याण के अग्रवाल कॉलेज के ऑडिटोरियम में प्रातः 9 बजे से शुरू होगा। आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। संस्था के उपाध्यक्ष रामचंद्र पांडेय, महामंत्री मुरलीधर तिवारी, परामर्श मंत्री कृष्णानंद (मुन्ना) तिवारी, सहमंत्री अमित तिवारी, दर्शन तिवारी, संयुक्त मंत्री विजय त्रिपाठी, और कार्यकारिणी सदस्य राजेश (पप्पू) अमरनाथ पाठक, नागेश मिश्रा, तथा कोषाध्यक्ष जितेंद्र (कुमार) पंडित ने ब्राह्मण समाज के सभी परिवारों से कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

जय प्रकाश दुबे को मिला अंतरराष्ट्रीय डॉक्टरेट सम्मान

नई दिल्ली। सोक्रेट्स सोशल रिसर्च यूनिवर्सिटी ओनोरिस कॉसा द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कर्मशील अवार्ड एवं ऑनरेरी डॉक्टरेट अवार्ड 2025 का कार्यक्रम नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के सी.डी. देशमुख सभागार में अत्यंत गरिमामयी और शालीनता के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन में देश और विदेश से आए बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों और विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कल्याण के रहने वाले समाजसेवी, सांस्कृतिक योगदान और वर्षों से सामाजिक कार्यों में समर्पित भाव से जुटे रहने के लिए जय प्रकाश दुबे को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की ओर से अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व मेजर जनरल पी.के. सहगल (रक्षा विशेषज्ञ), दिनेश मोहन शर्मा (पूर्व अधीक्षक, केंद्रीय जांच ब्यूरो, नई दिल्ली), राज्य शैक्षिक एवं प्रशिक्षण परिषद,, प्रो. शक्ति सिंह (वरिष्ठ प्रोफेसर, सामाजिक विभाग, जेएनयू), डॉ. राहुल खरे, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, डॉ. दिनेश बंसल, और प्रो. मनोज कैन (प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय) जैसे विशिष्टजन मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री और जरूरतमंदों को छाते

अंबरनाथ। अंबरनाथ में शिवसेना ने अपनी स्थापना दिवस एक अलग ही अंदाज में मनाया। शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समाजसेवा को प्राथमिकता दी गई। नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत पर 7,000 से अधिक विद्यार्थियों को नोटबुक और स्कूल बैग वितरित किए गए, वहीं जरूरतमंद नागरिकों को छाते भेंट किए गए। इस मौके पर बोलते हुए वालेकर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, "कुछ लोग बालासाहेब ठाकरे के मूल मंत्र को भूल चुके हैं और केवल अर्थशास्त्र की राजनीति में उलझे हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि शिवसेना की राजनीति हमेशा समाजसेवा से ऊपर नहीं रही है, बल्कि समाजसेवा ही उसका मूल आधार रही है। शिवसेना की केंद्रीय शाखा, अंबरनाथ (पूर्व) में आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व नगराध्यक्ष मनीषा वालेकर, योगेश गोरे, दीपक पवार और राजेश शिर्के समेत महिला और युवा शाखा के कई पदाधिकारी भी मौजूद थे।

प्राक्कलन समिति का जयंती वर्ष

लोकतांत्रिक मूल्यों और पारदर्शिता का उत्सव :

सार्वजनिक धन की निगरानी में निभाई अहम भूमिका

दोपहर संवाददाता । मुंबई

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को मुंबई में कहा कि संसद की प्राक्कलन समिति का जयंती वर्ष लोकतंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन जैसे मूल्यों का उत्सव मनाने का अवसर है। वह विधान भवन में आयोजित प्राक्कलन समितियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। ओम बिरला ने बताया कि 10 अप्रैल 1950 को गठित संसद की प्राक्कलन समिति अब तक 1,000 से अधिक रिपोर्टें प्रस्तुत कर चुकी है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों पर महत्वपूर्ण सिफारिशें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि समिति सार्वजनिक धन के उचित उपयोग की निगरानी करती है और उसकी सिफारिशें नीतिगत दिशा तय करने में उपयोगी साबित हुई हैं।

तकनीक, प्रशिक्षण और जनसंपर्क को बताया भविष्य का आधार

लोकसभा अध्यक्ष ने प्रौद्योगिकी के अधिक प्रयोग, सांसदों के कौशल विकास और जनता से बेहतर संवाद को भविष्य की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि रेलवे और सरकारी प्रशासन जैसे क्षेत्रों में समिति ने जो सिफारिशें की हैं, उन्होंने प्रशासनिक सुधारों में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

फडणवीस ने बताया 'जन आकांक्षाओं का दर्पण'

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्राक्कलन समिति केवल आर्थिक जांच की संस्था नहीं, बल्कि यह आम जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को दिशा देने वाला प्रभावी तंत्र है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में समिति की 65 से 70 प्रतिशत सिफारिशें लागू की जाती हैं, जो प्रशासन में नैतिक अनुशासन और पारदर्शिता लाने में सहायक हैं।

प्रमुख गणमान्य व्यक्ति रहे उपस्थित

सम्मेलन में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डॉ. संजय जायसवाल, सहित सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्राक्कलन समितियों के अध्यक्ष, सदस्य तथा महाराष्ट्र विधानसभा के कई सदस्य उपस्थित रहे।

ठाणे जिले से इसरो में पहली महिला वैज्ञानिक बनीं सुजाता मडके

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली बेटी ने अद्वितीय उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सुजाता मडके अब भारत की प्रमुख अंतरिक्ष संस्था—इसरो में वैज्ञानिक के रूप में कार्यभार संभालने जा रही हैं। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि उन्हें ठाणे जिले से इसरो में चयनित होने वाली पहली महिला बनाती है। शहापुर तहसील के शिरगांव नामक छोटे से गांव में पली-बढ़ी सुजाता की शिक्षा की शुरुआत जिला परिषद स्कूल से हुई। उन्होंने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई गांव में ही पूरी की और फिर शहापुर से माध्यमिक शिक्षा प्राप्त की। स्कूली दिनों से ही अंतरिक्ष विज्ञान में रुचि रखने वाली सुजाता ने 12वीं के बाद लगातार अपने सपने को साकार करने की दिशा में प्रयास किए। महाराष्ट्र परिवहन विभाग की परीक्षा पास कर ठाणे आरटीओ में सहायक मोटर वाहन निरीक्षक के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया था।

परिवार और गांव में हर्ष का माहौल

सुजाता के पिता रामचंद्र मडके ने अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। आज गांव और पूरे क्षेत्र में सिर्फ हमारी बेटी की ही चर्चा हो रही है। लोग बधाई देने आ रहे हैं, और हमें अपनी बेटी पर गर्व है।" साधारण ग्रामीण परिवेश से निकलकर देश की अग्रणी अंतरिक्ष एजेंसी तक का सफर तय करने वाली सुजाता आज अनेक युवाओं, विशेषकर ग्रामीण बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं।

महावितरण और टीएमआईए सदस्यों की संयुक्त बैठक संपन्न

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महावितरण द्वारा शुरू किए गए नए उपक्रमों की जानकारी साझा करने और रबाले, पावणे, महापे, तुर्भे तथा शिरवणे एमआईडीसी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान हेतु महावितरण अधिकारियों और टीटीसी औद्योगिक संगठन के सदस्यों के बीच संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक 12 जून को रबाले स्थित टीएमआईए कार्यालय में महावितरण के भांडुप परिमंडल के मुख्य अभियंता संजय पाटील की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर सीईओ श्रीनिवासन और अन्य सदस्य उपस्थित थे। वहीं, महावितरण वाशी मंडल के अधीक्षक अभियंता दीपक पाटील, कार्यकारी अभियंता सिद्धार्थ बनसोडे समेत कई वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

बिजली आपूर्ति में सुधार के निर्देश

मुख्य अभियंता संजय पाटील ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में उच्चदाब एवं लघुदाब फीडर, वितरण ट्रांसफॉर्मर, और विद्युत लाइनों के रखरखाव कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। महावितरण और टीएमआईए के बीच बेहतर समन्वय के लिए व्हाट्सएप समूह पहले से ही सक्रिय है।

आपातकालीन सामग्री की व्यवस्था

मुख्य अभियंता ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर, एचटी/एलटी केबल, जॉइंट किट्स, फ्यूज बेस आदि सामग्री की पूर्व व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, 24x7 सेवा वाहनों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

महाप्रबंधक धर्मवीर मीना ने पुणे में सांसदों के साथ की समीक्षा बैठक

सुप्रिया सुले बनीं समिति की अध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता । पुणे

मध्य रेल के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना ने 23 जून को पुणे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में पुणे और सोलापुर मंडलों के माननीय सांसदों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा के कई सांसदों ने भाग लिया, जिनमें सुप्रिया सुले (बारामती), श्रीरंग बारणे (मावल), डॉ. अमोल कोल्हे (शिरूर), धैर्यशील मोहिते पाटिल (माढा), विशाल पाटिल (सांगली), रजनी पाटिल (बीड), नितिन जाधव (सतारा), शिवाजी कल्गे (लातूर), माया नारोलिया (होशंगाबाद) और मेधा कुलकर्णी (राज्यसभा, पुणे) प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

सुप्रिया सुले बनीं समिति अध्यक्ष

बैठक के दौरान सभी सांसदों की सहमति से सुप्रिया सुले को समिति का अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद महाप्रबंधक मीना ने सभी सांसदों का पारंपरिक शॉल और श्रीफल से स्वागत किया और रेलवे परियोजनाओं में उनके सहयोग की सराहना की।

रेलवे की उपलब्धियों पर प्रस्तुति

पुणे मंडल रेल प्रबंधक राजेश कुमार वर्मा और सोलापुर मंडल रेल प्रबंधक सुजीत मिश्रा ने अपने-अपने मंडलों की उपलब्धियों, चल रही परियोजनाओं तथा यात्रियों को दी जा रही सेवाओं पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दीं। जी.बी. पंत शील्ड, नवाचार पुरस्कार और अन्य उपलब्धियों का विशेष उल्लेख किया।

सांसदों की मांगों और सुझावों पर चर्चा

बैठक में सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं और मांगें रखीं। उन्होंने रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना, वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस जैसी पहलों की सराहना की। रेलवे प्रशासन ने सभी सवालों का संतोषजनक उत्तर देते हुए सुझावों को योजनाओं में शामिल करने का आश्वासन दिया। बैठक का संचालन मध्य रेल के उप महाप्रबंधक के.के. मिश्रा ने किया। अंत में मीना ने सांसदों को भरोसा दिलाया कि यात्रियों की सुविधाओं में सुधार हेतु रेलवे प्रशासन पूर्णतः प्रतिबद्ध है और आगे भी सांसदों के मार्गदर्शन से कार्य करता रहेगा।

राकांपा में विभिन्न दलों से सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल

▶▶ हमारी पार्टी की शिक्षा है नए कार्यकर्ता तैयार करना, नेता बनाना : डॉ. जितेंद्र आव्हाड

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

राकांपा (शरद चंद्र पवार गुट) को आज उस समय मजबूती मिली जब विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हो गए। यह प्रवेश कार्यक्रम राकांपा के राष्ट्रीय महासचिव और विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। डॉ. आव्हाड ने पत्रकारों से बातचीत में स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी का मुख्य उद्देश्य पार्टी छोड़ने वालों पर ध्यान देना नहीं, बल्कि नए कार्यकर्ताओं को तैयार कर उनमें से नेतृत्व पैदा करना है।

कई दलों से कार्यकर्ताओं का समर्थन

शामिल हुए कार्यकर्ताओं में एमआईएम, कांग्रेस जैसे दलों से सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग हैं, जिन्होंने शरद पवार और डॉ. आव्हाड की धर्मनिरपेक्ष विचारधारा पर विश्वास जताया। इस प्रक्रिया में शमीम खान और मुफ्ती अशरफ की पहल महत्वपूर्ण रही। इस अवसर पर सांसद सुरेश म्हात्रे, शहर अध्यक्ष सुहास देसाई, कलवा-मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुफ्ती अशरफ सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

कलवा में फूट पर टिप्पणी से परहेज़

कलवा में संभावित फूट पर पूछे गए सवाल पर डॉ. आव्हाड ने कहा कि हमें दूसरों के घर में झांकने की आदत नहीं है। हमारा काम अपनी पार्टी को मजबूत करना है। जो चले गए, वो चले गए। हम नए नेता बना रहे हैं।

हिंदी विवाद केवल ध्यान भटकाने की

डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने हिंदी भाषा को अनिवार्य बनाए जाने के मुद्दे को "ध्यान भटकाने वाला विवाद" बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला पहले ही हो चुका था और अब इसे जानबूझकर उठाया जा रहा है ताकि जनता के मूल मुद्दों से ध्यान हटाया जा सके। उन्होंने कहा, "हिंदी एक सुंदर भाषा है, लेकिन किसी भी भाषा को थोपना गलत है।

शिर्डी में वीआईपी दर्शन के लिए नई 'ब्रेक दर्शन' व्यवस्था लागू

शिरडी। साईं बाबा के दर्शन के लिए शिर्डी आने वाले लाखों आम भक्तों के लिए एक राहत भरी खबर है। साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट की तदर्थ समिति ने इस रविवार दोपहर से एक नई 'ब्रेक दर्शन' प्रणाली लागू की है। इस कदम का उद्देश्य वीआईपी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के आने से नियमित कतार में होने वाली रुकावटों को खत्म करके दर्शन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है। नए शुरू किए गए नियमों के अनुसार, औपचारिक सिफारिश के साथ आने वाले वीआईपी और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों को अब केवल विशिष्ट समय स्लॉट के दौरान ही दर्शन करने की अनुमति होगी। ये स्लॉट इस प्रकार निर्धारित किए गए हैं। सुबह 9:00 बजे से 10:00 बजे तक, दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक और शाम 8:00 बजे से 8:30 बजे तक। इन अवधियों के दौरान, समाधि मंदिर के एक निर्दिष्ट हिस्से से 'ब्रेक दर्शन की व्यवस्था की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. अजीत पाठक चुने गए पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत में पब्लिक रिलेशंस के क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ डॉ. अजीत पाठक को पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (PRSI) का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। यह लगातार 21वां वर्ष है जब उन्हें संगठन के शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. पाठक, जो इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन में महाप्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, भारत में पब्लिक रिलेशंस में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं। वे ग्लोबल अलायंस ऑफ पीआर एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट के पूर्व सचिव और इंटरनेशनल पब्लिक रिलेशंस एसोसिएशन के बोर्ड सदस्य भी रह चुके हैं। ली मेरिडियन, गुरुग्राम में हाल ही में आयोजित इंडिया एसोसिएशन कांग्रेस में उन्हें "मोस्ट इंस्पायरिंग लीडर अवार्ड" से सम्मानित किया गया।

नई कार्यकारिणी की घोषणा

- राष्ट्रीय अध्यक्षः डॉ. अजीत पाठक
- महासचिवः डॉ. पी. एल. के. मूर्ति
- सचिव-कोषाध्यक्षः दिलीप चौहान
- उपाध्यक्ष (उत्तर)ः नरेंद्र मेहता
- उपाध्यक्ष (पूर्व)ः सुश्री एम. एस. मजूमदार
- उपाध्यक्ष (पश्चिम)ः एस. पी. सिंह
- उपाध्यक्ष (दक्षिण)ः यू. एस. शर्मा

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएँ।

वृष चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएँगे।

मिथुन राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएँ बनेंगी।

कर्क भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। लाभदायक समाचार मिलेंगे।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

कन्या उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

तुला रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएँ रखें।

वृश्चिक अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। पूर्व कर्म फलीभूत होंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा।

धनु बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक चिंताएँ दूर होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है। विरोधी परास्त होंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

कुंभ दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएँगे।

मीन नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

ज्योतिष अनुसार कोर्ट कचहरी लाभ हानि संबंधी विचार

कहते हैं कि अगर आज के समय में पुलिस आपको ना ढूंढे और आपको कभी वकील के पास ना जाना पड़े तो इसी को ही सुख और आराम की ज़िंदगी कहा जाता है । लेकिन कई बार दुर्भाग्य वश ऐसे ग्रह योग बन जाते हैं कि व्यक्ति कोट कचेहरी तथा कानूनी मामलों में फस जाता है जिस से धन और सम्मान की हानि होती है। यह झगड़े व्यवसायक भी हो सकते हैं और पारिवारिक भी हो सकते हैं , या फिर किसी अन्य शत्रुता या झूठे आरोप की वजह से भी कई बार व्यक्ति को कानूनी मामलों में परेशानी होती है । तो इस पोस्ट में इसी से जुड़ी बातों पर चर्चा का प्रयास करते हैं।

प्रियंका जैन
9769994439

छठा_भाव_है कोर्ट कचहरी का : ज्योतिष अनुसार जन्म कुण्डली के 12 भावों में से छठे भाव का संबंध कोर्ट कचहरी के झगड़ों से है, इस लिए जो ग्रह छठे भाव में विराजमान हो उस ग्रह के नक्षत्र में जो ग्रह विराजमान हो , और साथ ही मंगल, शनि, राहु का संबंध भी इनसे बने तो ऐसी ग्रह स्थिति उस ग्रह से संबंधित विषयों के मामले में झगड़े देती है , और शनि, मंगल , राहु का संबंध झगड़े को बढ़ाते हुए बात कोर्ट कचहरी तक ले आता है , यही विचार छठे भाव में विराजमान ग्रह के बारे में भी करना चाहिए । #उदाहरण के लिए माने यदि द्वितीय या चतुर्थ भाव का स्वामी ग्रह का नक्षत्र स्वामी छठे भाव में हो , और छठे भाव पर मंगल / शनि / राहु की दृष्टि हो तो पारिवारिक धन संपदा को लेकर झगड़ा इतना बढ़ जाता है कि बात कोर्ट कचहरी तक पहुंच जाती है । इसी तरह यदि किसी की जन्म लग्न कुण्डली में सप्तम भाव का स्वामी छठे भाव में हो , और उस पर 2 से ज़्यादा पापी / क्रूर ग्रहों की दृष्टि पड़े तो ऐसे व्यक्ति को जीवनसाथी के माध्यम से परेशानी होती है । जबकि 11वे भाव का स्वामी ग्रह छठे भाव में पाप पीड़ित हो तो सैलरी और धन को लेकर झगड़े होते हैं ।

मंगल_शनि_राहु हैं महत्वपूर्ण : कारक ग्रहों का विचार करें तो ज्योतिष अनुसार मंगल ग्रह को पुलिस , शनि को कानून तथा राहु को झगड़े का कारक माना जाता है । यदि किसी की जन्म लग्न कुण्डली में मंगल ग्रह 2 से ज़्यादा पापी / क्रूर ग्रहों से पीड़ित हो और छठे भाव से संबंध बनाए तो ऐसे व्यक्ति के झगड़े अक्सर ही होते हैं, कई बार वाहन चलाते समय सड़क पर , तो कभी आस पड़ोस या मित्रों से झगड़ा हो जाता है , विवाह - शादी , पार्टी में झगड़ा हो जाता है, या फिर अक्सर ही ऐसे व्यक्ति का चालान हो जाता है । जबकि शनि को कानून का कारक माना जाता है, कि किसी भी रूप में यातायात नियम तोड़ने की वजह से व्यक्ति का चालान हो जाता है, टैक्स या कोई अन्य सरकारी अदायगी ना देने की वजह से परेशानी होती है , जबकि शनि राहु दोनो का संबंध छठे भाव से बने तो व्यक्ति किसी साजिश का शिकार होता है । क्योंकि शनि ग्रह धीमी गति से चलते हैं इस वजह से यदि शनि ग्रह का संबंध छठे भाव या स्वामी ग्रह से बने तो कोर्ट कचहरी का परिणाम आने में काफी वर्ष का समय लगता है , जबकि राहु का संबंध छठे भाव या स्वामी ग्रह से बने तो व्यक्ति को कोर्ट कचहरी के फैसलों से निराशा होती है।

न्यूज़ ब्रीफ

लखनऊ में सीएम आवास के सामने आत्मदाह की कोशिश

लखनऊ : मुख्यमंत्री आवास के सामने एक महिला ने आत्मदाह करने की कोशिश की। महिला खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ही रही थी, तभी मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने फुर्ती दिखाते हुए महिला को पकड़ लिया और माचिस छीन ली। महिला को मेडिकल जांच के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। सोमवार सुबह 11:00 बजे के आसपास पीलीभीत के बाजार घाट वैल्हा थाना निवासी सुमित्रा कौर (27) अपने भाई मनदीप सिंह और भांजे के साथ मुख्यमंत्री आवास के सामने पहुंची। मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों को महिला पर शक हुआ, कर्मी महिला के पास पहुंचते उससे पहले ही उसने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। आत्मदाह विरोधी दस्ता दौड़कर महिला के पास पहुंचा और माचिस छीन ली। तीनों को पकड़कर गौतम पल्ली थाने को सौंप दिया। पीड़ित महिला सुमित्रा ने बताया कि मई माह में उसके घर में घुसकर अभद्रता की गई थी। उन्होंने 14 मई को पीलीभीत के हाजरा थाने में इसकी रिपोर्ट लिखवाई। लेकिन मामले में पुलिस ने अभी तक सही से जांच नहीं किया। महिला ने बताया कि पुलिस ने किसी भी आरोपी को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है।

बदरीनाथ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार पर गिरे पत्थर, एक महिला की मौत

चमोली : उत्तराखंड के चमोली में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की जान चली गई। पहला हादसा सुबह बदरीनाथ हाईवे के पातालगंगा के पास हुआ। यहां पर बदरीनाथ धाम से लौट रही एक कार के ऊपर पहाड़ी से अचानक पत्थर गिर गए। पत्थरों की बरसात इस कदर हुई कि कार चकनाचूर हो गई। जबकि, इस हादसे में एक महिला की जान चली गई। जबकि, एक पुरुष और एक बच्चा घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, दूसरा हादसा बदरीनाथ में मुचकुंद गुफा के पास हुआ। यहां भी एक व्यक्ति का शव पुलिस ने बरामद किया है।

आज मुजफ्फरपुर आएंगे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

मुजफ्फरपुर : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कल यानी 24 जून को मुजफ्फरपुर के भगवानपुर स्थित एलएन मिश्र बिजनेस मैनेजमेंट कॉलेज के संस्थापक दिवस कार्यक्रम में शिरकत करने वाले हैं। उनके आगमन से पहले प्रशासन ने तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में रविवार को भगवानपुर चौराहा और कॉलेज के सामने सड़क किनारे से अतिक्रमण हटाया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य वीवीआईपी मूवमेंट को सुगम और सुरक्षित बनाना है।

विक्रम डबल मर्डर केस में आरोपी गिरफ्तार

पटना: राजधानी पटना के विक्रम थाना क्षेत्र में बीते 10 जून को हुए दोहरे हत्याकांड ने इलाके में सनसनी फैला दी थी। जमीन विवाद की आड़ में की गई हत्या में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या में शामिल तीसरे आरोपी राहुल कुमार उर्फ जल्लाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिससे पूरे हत्याकांड की परतें धीरे-धीरे खुलने लगी हैं। यह डबल मर्डर हत्याकांड दरअसल एक पुराने जमीन विवाद और पारिवारिक रंजिश का नतीजा था। बताया जा रहा है कि दो साल पहले जिन दो व्यक्तियों की हाल ही में हत्या की गई। उन्होंने ही एक चौकीदार की हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद चौकीदार के परिजन बदले की आग में जलते रहे। अंततः उन्होंने इस पुरानी रंजिश और जमीन विवाद के बहाने दो लोगों की निर्मम हत्या कर डाली।

देश के सबसे लंबे केबल ब्रिज का सीएम नीतीश ने किया उद्घाटन

दियारा से पटना बस 5 मिनट में पहुंचेंगे

एजेंसी | पटना

दक्षिण बिहार से उत्तर बिहार के बीच नई लाइफ लाइन का सपना सोमवार को साकार हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गंगा नदी पर बन रहे छह लेन ग्रीन फील्ड पुल कच्चीदरगाह-बिदपुर पुल के राघोपुर तक के हिस्से का लोकार्पण किया। एक दशक पहले इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास नीतीश कुमार ने ही किया था। नौ साल पहले इस प्रोजेक्ट का कार्यारंभ हुआ था। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि हमलोग राज्य में गुणवत्तापूर्ण सड़कों एवं पुलों का लगातार निर्माण कर आवागमन को सुगम बना रहे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, जल संसाधन।

अब नाव व पीपा पुल पुरानी बात

पटना से राघोपुर जाने के लिए बरसात में नाव व बरसात के पहले पीपा पुल एकमात्र साधन था। अब लोग छह लेन पुल से मात्र पांच से दस मिनट के अंदर पटना पहुंच जाएंगे। ग्रामीणों ने राघोपुर पहुंचे मुख्यमंत्री का इस लाइफ लाइन को ले भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के हित में हम लगातार काम कर रहे। इस क्षेत्र के विकास के लिए हमसे जो बन पड़ेगा वह करेंगे। इस पुल के निर्माण के लिए हमलोग लगातार काम कर रहे थे।

माह भर के भीतर गंगा पथ लिंक को जोड़ने का निर्देश

पुल के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने दीदारगंज में कच्ची दरगाह-बिदुपर पुल को जेपी गंगा पथ से जोड़ने वाले निर्माणाधीन लिंक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि जेपी गंगा पथ से कच्ची दरगाह-बिदुपुर पुल की सीधी संपर्कता बहाल करने का काम एक माह के अंदर पूरा करें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा, पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक व राज्य नागरिक परिषद के पूर्व महासचिव अरविंद कुमार सिंह उर्फ छोटू सिंह मौजूद रहे।

अब तक 85 प्रतिशत काम पूरा

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुल के बचे हुए कार्य को तेजी से पूरा करें। इस परियोजना का 85 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है। उन्होंने कहा इस पुल के बन जाने से गांधी सेतु पर भी यातायात का भार कम हो जाएगा। लोगों को इस पुल के माध्यम से उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार आने-जाने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग मिल गया है। पटना शहर में लगने वाले जाम से भी राहत मिलेगी। पटना शहर के बाहर से ही लोग उत्तर बिहार के विभिन्न जगहों पर आसानी से जा सकेंगे।

तेज प्रताप को जान का खतरा?

खुद सीएम नीतीश से लगाई सुरक्षा की गुहार

पटना/नई दिल्ली: राष्ट्रीय जनता दल (RJD) से दूरी और परिवार में उपेक्षा के बाद पहली बार तेज प्रताप यादव ने सार्वजनिक रूप से अपनी चुप्पी तोड़ी है। ANI से बातचीत में उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि उन्हें जान का खतरा है। तेज प्रताप ने साफ कहा, "हमें अपनी जान का खतरा है। हमारे दुश्मन चारों ओर फैले हैं। मेरी सुरक्षा बढ़ाई जाए, वरना कुछ भी हो सकता है।"

RJD और परिवार से अलगाव

पार्टी से निकाले जाने और परिवार से दूरी बनाए जाने को लेकर तेज प्रताप ने कहा कि यह फैसला किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक "गुटबंदी" का नतीजा था। उन्होंने कहा, कुछ लोग सोचते हैं कि मुझे अकेला करके दबा देंगे। लेकिन मैं तेज प्रताप हूं, झुकूंगा नहीं। जनता मेरी ताकत है, वही मेरी लड़ाई लड़ेगी। तेज प्रताप ने साजिशकर्ताओं के नाम सार्वजनिक करने से इनकार करते हुए कहा कि समय आने पर वे सभी चेहरे उजागर किए जाएंगे। "मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन जो भी पापी हैं, उन्हें जनता नहीं छोड़ेगी। मैं जनता की अदालत में जाऊंगा, वहीं से न्याय पाऊंगा।" तेज प्रताप ने केंद्र और राज्य सरकार से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अब बात राजनीति की नहीं, सुरक्षा की है। सरकार को मेरी सुरक्षा पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। अगर कुछ होता है, तो सरकार जिम्मेदार होगी।

अखिलेश यादव ने 3 सपा विधायकों को पार्टी से किया बाहर

अमेठी: राज्यसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी (सपा) के सात विधायकों द्वारा पार्टी लाइन से हटकर भारतीय जनता पार्टी (BJP) को वोट देने का मामला अब राजनीतिक कार्रवाई के मोड़ पर पहुंच गया है। करीब एक साल चार महीने बाद पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीन बागी विधायकों को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। निष्कासित किए गए विधायकों में गौरीगंज (अमेठी) से राकेश प्रताप सिंह, ऊंचाहार (रायबरेली) से मनोज पांडेय और गोसाईगंज (अयोध्या) से अभय सिंह शामिल हैं। ये तीनों विधायक लंबे समय से बीजेपी के संपर्क में बताए जा रहे थे।

सपा का आधिकारिक बयान

समाजवादी पार्टी ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर जारी बयान में कहा कि समाजवादी पार्टी जनहित में निम्नलिखित विधायकों को निष्कासित करती है। इनका सहयोग साम्प्रदायिक और पीडीए विरोधी विचारधारा के साथ रहा है। इन्हें विचार परिवर्तन के लिए समय दिया गया था, जो अब समाप्त हो चुका है। जहां रहें, विश्वसनीय रहें। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में इन तीनों विधायकों में से दो — राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह — ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी। मनोज पांडेय के रायबरेली स्थित आवास पर भी शाह की मुलाकात हो चुकी है। इन मुलाकातों को पार्टी नेतृत्व ने गंभीरता से लिया।

चार अन्य बागियों को मिला 'अनुग्रह काल'

राज्यसभा चुनाव में कुल सात सपा विधायक बागी हुए थे — पूजा पाल, राकेश पांडेय, विनोद चतुर्वेदी और आशुतोष मौर्य सहित। हालांकि, इन चार पर अभी कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई है। पार्टी ने इनके लिए 'अनुग्रह अवधि' बरकरार रखी है, ताकि वे पार्टी लाइन पर लौट सकें।

वन विभाग ने तस्करों के 8 वाहन किए नीलाम

हल्द्वानी। तराई पूर्वी वन प्रभाग ने अवैध खनन और लकड़ी तस्करी के मामले में शामिल आठ वाहनों को सरकारी संपत्ति घोषित कर नीलाम कर दिया है। इस नीलामी से विभाग को करीब 10 लाख की आमदनी हुई है। वन विभाग के अनुसार पकड़े गए इन वाहनों के स्वामियों के नहीं आने के बाद वाहनों के चेचिस नंबर के माध्यम से उनकी तलाश की गई। जिसके बाद वाहन स्वामियों को नोटिस भेजकर उनसे जवाब मांगा गया था लेकिन वाहन स्वामी की ओर से कोई उत्तर नहीं मिलने पर विभाग ने इन वाहनों को सरकारी संपत्ति घोषित किया। इस संबंध में प्रभागीय वनाधिकारी हिमांशु बागड़ी का कहना है कि अवैध खनन और परिवहन में लिप्त 8 वाहनों को भारतीय वन अधिनियम 1927 के तहत राजसात घोषित करने की कार्रवाई

की गई है। उनके अनुसार डिवीजन के अलग-अलग रेंजों में वन अपराध में लिप्त तस्करों के पकड़े गए वाहन बड़ी संख्या में खड़े हैं। इनमें कई ऐसे वाहन हैं जो सालों पुराने हो चुके हैं। विभाग के अनुसार कुल 8 वाहनों की नीलामी की गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन मे देश पूरी तरह से सुरक्षितः बाबूलाल

दुमका। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन मे देश पूरी तरह से सुरक्षित है। 11 सालों के केंद्रीय नेतृत्व मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए जो कल्याणकारी योजनाएं दिया वह मिशाल है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11सालो के कार्यकाल मे देश की जनता को एक समान अवसर दिया। मरांडी सोमवार को दुमका परिसदन भवन में प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने

कहा कि देश के गांव-गांव तक सड़क है, बिजली है प्रत्येक लोगों के हाथ तक सूचना का तंत्र है। कोई बीमार हो तो उनको भी पांच लाख तक की इलाज की सुविधा आयुष्मान के तहत मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कहने को यहां की राज्य सरकार इलाज के नाम पर बीमा योजना का लाभ दे रही है। लेकिन इलाज के नाम पर झारखंड की सरकार कुछ नहीं दे रही है। मरांडी ने कहा कि जिन अस्पतालों ने लोगो का इलाज किया यहां की झारखंड सरकार उन अस्पतालों को भुगतान भी नहीं किया। उन्होंने कहा कि देश की सरकार गरीबों की चिंता कर रही है उनके चूल्हा, स्वास्थ्य विकास, सड़क, स्वास्थ्य की चिंता कर रही है।

व्यापार जगत

पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर शेयर बाजार पर

सेंसेक्स 511 अंक टूटा, निफ्टी 25000 से फिसला

मुंबई। अमेरिका की ओर से ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण सोमवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई। दिन के कारोबार में 900 अंक से अधिक की गिरावट के बाद 30 शेयरों वाला सूचकांक कुछ हद तक उबरकर 511.38 अंक या 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,896 ।79 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 931.41 अंक या 1.13 प्रतिशत गिरकर 81,476. 76 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.50 अंक या 0.56 प्रतिशत गिरकर 24,971.90 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स के प्रमुख शेयरों का क्या हाल रहा?

अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों - फोर्डो, नतांज और इस्फहान- पर बमबारी की, जिससे वह सीधे तौर पर इस्राइल-ईरान संघर्ष में शामिल हो गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एचसीएल टेक, इंफोसिस, लार्सन एंड टूब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और मारुति सबसे ज्यादा पिछड़े। इसके विपरीत, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक नीचे बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर बंद हुए।

वैश्विक बाजार में भी दिखा गिरावट का रुख

मध्य सत्र में यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। इससे पहले, शुक्रवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .49 प्रतिशत बढ़कर 77 .39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, पिछले शुक्रवार को मध्य पूर्व में तनाव कम होने की उम्मीद में बाजार में तेजी आई थी। ऐसा अमेरिका की ओर से इस्राइल-ईरान संघर्ष में अपनी भागीदारी पर विचार-विमर्श करने के लिए दो सप्ताह का समय दिए जाने की घोषणा के बाद हुआ।

भारत में सस्ते दामों पर मक्का-सोयाबीन बेचने पर अड़ा अमेरिका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील, कृषि उत्पादों पर इम्पोर्ट ड्यूटी के चलते बीच में अटक गई है। ट्रेड डील के लिए अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड (GM) फूड जैसे मक्का और सोयाबीन पर इम्पोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका चाहता है कि ये प्रोडक्ट भारत में सस्ते बिकें। वहीं भारत सरकार किसानों को नुकसान से बचाने के लिए इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं घटाना चाहती। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि अगर अमेरिका के सस्ते GM फूड भारत में आ जाएंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बिकना मुश्किल हो जाएगी। ऐसे में डील पर असमंजस बना हुआ है। 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले इसका हल निकलना मुश्किल लग रहा है।

ये ट्रेड डील क्या है और इसका मकसद क्या है?

जवाब: ये भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर इम्पोर्ट ड्यूटी (आयात शुल्क) कम करके व्यापार बढ़ाना चाहते हैं। भारत चाहता है कि उसके टेक्सटाइल, चमड़ा, दवाइयां, और कुछ इंजीनियरिंग सामान पर अमेरिका में जीरो टैक्स लगे, जबकि अमेरिका अपने कृषि और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारत में बाजार चाहता है। जवाब: डील को 9 जुलाई 2025 तक फाइनल करने की कोशिश है।

बैंकों के स्टैंडअलोन क्रेडिट प्रोफाइल को मिली मदद

मुंबई। मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में भारतीय बैंकों का मजबूत वित्तीय प्रदर्शन रेटेड बैंकों के स्टैंडअलोन क्रेडिट प्रोफाइल को बढ़ाने में मददगार साबित हुआ है। इससे इस क्षेत्र के लिए भविष्य में वृद्धि की उम्मीदें बढ़ी है। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। चार वर्षों में सबसे धीमी ऋण वृद्धि के बावजूद इस क्षेत्र ने बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता, मजबूत पूंजी भंडार और स्थिर लाभ होने की जानकारी दी है। फिच ने कहा, हमें उम्मीद है कि स्थिर प्रदर्शन जारी रहेगा। हालांकि मजबूत कोर वित्तीय मीट्रिक्स को बनाए रखना जरूरी है।

विनिर्माण और सेवा क्षेत्र ने पकड़ी रफ्तार

14 माह के उच्च स्तर पर पहुंचा आंकड़ा

एजेंसी | मुंबई

भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने जोरदार रफ्तार पकड़ी है। एचएसबीसी फ्लैस इंडिया कम्पोजिट आउटपुट इंडेक्स जून में बढ़कर 61.0 पर पहुंच गया। यह पिछले 14 महीनों में सबसे उच्च स्तर है। मई महीने में यह 59.3 दर्ज हुआ था। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कम्पोजिट आउटपुट इंडेक्स विनिर्माण और सेवाओं के संयुक्त उत्पादन में महीने-दर-महीने परिवर्तनों को ट्रैक करता है।

मजबूत वैश्वक मांग ने डाला असर- भंडारी

एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत के फ्लैश पीएमआई ने जून में मजबूत वृद्धि का संकेत दिया। नए निर्यात ऑर्डरों ने निजी क्षेत्र की व्यावसायिक गतिविधि को बढ़ावा देना जारी रखा, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में। इस बीच, मजबूत वैश्विक मांग और बढ़ते बैकलॉग के संयोजन ने निर्माताओं को भर्ती बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। भंडारी ने कहा कि मई से जून के दौरान थोड़ी कमजोरी के बावजूद सेवा क्षेत्र में भी रोजगार वृद्धि स्वस्थ है। अंत में विनिर्माण और सेवा दोनों फर्मों के लिए इनपुट और आउटपुट की कीमतों में वृद्धि जारी रही, लेकिन वृद्धि की दरों में नरमी के संकेत दिखे। विनिर्माण पीएमआई आउटपुट इंडेक्स मई में 60 .3 से जून में चढ़कर 61 .5 पर पहुंच गया। समग्र विनिर्माण पीएमआई बढ़कर 58 ।4 पर पहुंच गया। यह अप्रैल 2024 के बाद का सबसे अच्छा स्तर है, जो बेहतर परिचालन स्थितियों का संकेत देता है। बढ़ती मांग, दक्षता में सुधार और प्रौद्योगिकी निवेशों के समर्थन से सेवा क्षेत्र की गतिविधि में भी तेजी आई। सर्वेक्षण के उत्तरदाताओं ने एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व और अमेरिका सहित क्षेत्रों से मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग का उल्लेख किया। विनिर्माण निर्यात में और सेवा क्षेत्र के निर्यात में भी वृद्धि हुई लेकिन धीमी गति से।

LIC हाउसिंग फाइनेंस का होम लोन 0।50% सस्ता हुआ

अब 7.50% इंटरेस्ट पर मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली। हाउसिंग फाइनेंस ने होम लोन की ब्याज दरों में 0.50% की कटौती की है। अब LIC की होम लोन की ब्याज दर सालाना 7.50% से शुरू होंगी। RBI ने हाल ही में रेपो रेट को 6.00% से घटाकर 5.50% किया है। जिसके बाद बैंकों ने भी लोन की ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। इससे पहले SBI, यूनियन बैंक और पंजाब नेशनल बैंक ने भी लोन की ब्याज दरों में कटौती की है। इस ब्याज दर कटौती का फायदा उन सभी लोगों को होगा, जिनके लोन रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) से जुड़े हैं।

नए लोन लेने वालों के लिए

LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE ITD

अगर आप नया होम लोन लेने की सोच रहे हैं, तो अब आपको कम ब्याज देना होगा। उदाहरण के लिए SBI नए होम लोन की ब्याज दर पहले 8% से शुरू होती थी अब ये घटकर करीब 7।50% हो जाएगी। जिन लोगों ने पहले से RLLR से जुड़ा फ्लोटिंग रेट होम लोन लिया है, उनकी ब्याज दर भी अगले रीसेट पीरियड में कम हो जाएगी। इससे या तो उनकी EMI कम होगी, या लोन की अवधि घट जाएगी। अगर लोन फिक्स्ड रेट से जुड़ा है, तो फायदा नहीं मिलेगा।

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड ने चिली की कोडेल्को टीम का किया स्वागत

एजेंसी | नई दिल्ली

चिली की सरकारी स्वामित्व वाली तांबे की खनन कंपनी कॉर्पोरसियोन नैशनल डेल कोबरे (कोडेल्को) का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार सुबह नई दिल्ली पहुंचा है। चिली के खनन विशेषज्ञों की यह टीम अगले तीन हफ्ते भारत में रहकर हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) की विभिन्न इकाइयों का दौरा करेगी।

कोडेल्को के खनन विशेषज्ञों में एंजेलो जियोवानी ग्यूसेप एगुइलर कैटलानो-भूविज्ञान और अन्वेषण, जोस रामोम अबाटे पेरेज -नवाचार और प्रौद्योगिकी, कार्लोस एबेलार्डो विल्चेस डोनोसो-टेलिंग प्रबंधन, जॉर्ज लुइस एस्पिंडोला लांडा-जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग तथा सर्जियो जोनाथन पिचोट हेरिकेज-जियोमेटालर्जी शामिल हैं। एचसीएल के मुताबिक इनकी तीन हफ्ते की यात्रा का उद्देश्य ज्ञान साझा करना और मूल्य संवर्धन के अवसरों का पता लगाना है।

मैं अपना काम करता रहूंगा : बुमराह

- 42 विकेट इंग्लैंड के चटका चुके हैं बुमराह। उनसे आगे कपिल (43) और इशांत (51) ही हैं
- 14वीं बार जसप्रीत ने अपने करियर में पारी में पांच विकेट चटकाए

एजेंसी । लीड्स

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने आलोचकों को एक बार फिर करारा जवाब दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने के बाद उन्होंने कहा कि लोग भले ही उनके करियर को बार-बार खत्म मान लेते हों, लेकिन वे केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करते हैं और आलोचनाओं की परवाह नहीं करते। बुमराह ने कहा, "लोगों को लगता था कि मैं अपने एक्शन की वजह से आठ से दस महीने में खत्म हो जाऊंगा। कुछ ने कहा था कि मैं सिर्फ आठ महीने खेल पाऊंगा, कुछ ने 10 महीने कहा। लेकिन मैंने 10 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और 12-13 साल आईपीएल खेल लिया है। अब भी हर चोट के बाद लोग कहते हैं कि मैं आगे नहीं खेल पाऊंगा। उन्हें कहने दीजिए, मैं अपना काम करता रहूंगा।" उन्होंने आगे कहा, "हर चार महीने में ऐसी बातें होती रहेंगी। लेकिन जब तक ईश्वर की कृपा रहेगी, मैं खेलता रहूंगा। मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ तैयारी करता हूं और बाकी ईश्वर पर छोड़ देता हूं।"

आलोचनाओं पर नहीं देते ध्यान

बुमराह ने साफ किया कि वह लोगों की राय बदलने के लिए नहीं खेलते। उन्होंने कहा, "लोग क्या लिखते हैं, यह मेरे नियंत्रण से बाहर है। अगर मेरे बारे में लिखने से उन्हें पाठक मिलते हैं तो इसमें मुझे कोई परेशानी नहीं है।"

मैच पर बुमराह की राय

पहले टेस्ट मैच के हालातों पर बोलते हुए बुमराह ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है, लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ेगा, उसमें दरारें आ सकती हैं। उन्होंने कहा, "विकेट अभी अच्छा है, थोड़ा दोहरी गति वाला है। मौसम के कारण नई गेंद स्विंग कर सकती है। हम एक बड़ा स्कोर खड़ा करना चाहेंगे ताकि उन्हें मुश्किल लक्ष्य दे सकें।" भारत द्वारा छोड़े गए कैचों पर भी बुमराह ने प्रतिक्रिया दी।

सेशेल्स मुक्केबाजी टूर्नामेंट में भारत का शानदार प्रदर्शन

- पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी । नई दिल्ली

स्वर्ण पदक के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने तीन रजत और एक कांस्य पदक भी जीता और पैराडाइज एरेना में मॉरीशस से एक पदक अधिक हासिल किया। भारतीय मुक्केबाजों ने सेशेल्स नेशनल डे मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और तीन स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्वर्ण पदक के अलावा भारतीय मुक्केबाजों ने तीन रजत और एक कांस्य पदक भी जीता और पैराडाइज एरेना में मॉरीशस से एक पदक अधिक हासिल किया।

o हिमांशु शर्मा (50 किग्रा) ने वॉकओवर के जरिए स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि आशीष मुदशानिया (55 किग्रा) ने फाइनल में 4-1 के खंडित फैसले से जीत दर्ज की। गौरव चौहान ने 90 किग्रा से अधिक वर्ग के तनावपूर्ण फाइनल में अपना धैर्य बनाए रखा। उन्होंने 3-2 से जीत हासिल की और देश के लिए तीसरा स्वर्ण पदक जीता।

अनमोल (60 किग्रा), आदित्य यादव (65 किग्रा) और नीरज (75 किग्रा) तीनों को संघर्षपूर्ण फाइनल में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद समान 2-3 के खंडित फैसले से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए कार्तिक दलाल ने 70 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता।

रियाल मैड्रिड ने पचुका को 3-1 से हराया

चार्लोट। रियाल मैड्रिड ने अधिकतर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद जूड बेलिंगहैम और अर्डा गुलर के पहले हाफ में किये गए गोल की मदद से पचुका को 3-1 से शिकस्त दी। रविवार रात को खेले गए मैच के सातवें मिनट में डिफेंडर राउल एसेनसियो को रेड कार्ड मिला और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। इसके बाद रियाल मैड्रिड को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। टूर्नामेंट में पहली जीत से रियाल की टीम शीर्ष पर पहुंच गई है। उसका पहला मैच ड्रॉ रहा था। रियाल मैड्रिड के लिए जूड (35वें मिनट), गुलर (43वें मिनट) और फेडेरिको वाल्वरडे (70वें मिनट) ने गोल किए। पचुका के लिए एकमात्र गोल खेल 80वें मिनट में इलियास मोंटिएल ने किया। इससे हालांकि कोई फर्क नहीं पड़ा क्योंकि रियाल मैड्रिड ने मैक्सिको के क्लब पर शुरू से लेकर आखिर तक पूरा दबदबा बनाए रखा। जाबी अलोंसो को इस स्पेनिश क्लब के कोच के रूप में पहली जीत दिलाई। रियाल मैड्रिड के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबापे बीमार होने के कारण दोनों मैच नहीं खेल पाए। वह अस्पताल में भर्ती हैं जिसके कारण चार्लोट नहीं जा पाए। टीम को उम्मीद है कि वह गुरुवार को साल्जबर्ग के खिलाफ होने वाले मैच तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे।

गुंडोगन और हालैंड के दम पर मैनचेस्टर सिटी बड़ी जीत के साथ अंतिम-16 में

- अल ऐन को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से करारी शिकस्त देकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की
- इर्लिंग ने टूर्नामेंट में अपना पहला गोल दागा

क्लब विश्व कप

अटलांटा। इल्के गुंडोगन के दो गोल और इर्लिंग हालैंड के पेनाल्टी पर किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने बड़ी जीत के साथ क्लब विश्व कप फुटबॉल के अंतिम-16 का टिकट कटा लिया। हालैंड ने एक गोल करने के साथ ही एक में मदद भी की। इससे मैनचेस्टर सिटी ने रविवार रात खेले गए मैच में अल ऐन को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से करारी शिकस्त दी। अपना अभियान पटरी पर लाने की कवायद में लगे मैनचेस्टर सिटी को गुंडोगन ने आठवें मिनट में ही बढ़त दिला दी थी। इसके बाद उन्होंने 73वें मिनट में भी एक गोल किया। इसके अलावा क्लाउडियो एचेवेरी (27वें मिनट), हालैंड (45 5वें मिनट), ऑस्कर बॉब (84वें मिनट) और रेयान चेर्की (89वें मिनट) ने भी गोल किए। हालैंड ने रेयान के गोल में मदद की। हालैंड का यह टूर्नामेंट में पहला गोल रहा। मैनचेस्टर सिटी ने अपने शुरुआती ग्रुप मैच में मोरक्को के विदाद पर 2-0 की जीत दर्ज करके अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। टीम के युवेंटस के बराबर छह अंक हैं लेकिन गोल अंतर के आधार पर मैनचेस्टर की टीम दूसरे नंबर पर है। इस हार के साथ ही अल ऐन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

पृथ्वी मुंबई से तोड़ना चाहते हैं नाता

टीम इंडिया से बाहर चल रहे साव ने एमसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगा

एजेंसी । मुंबई

भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज़ पृथ्वी साव ने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मांगा है, जिससे वह आगामी घरेलू सत्र में किसी अन्य राज्य की टीम से खेल सकें।

पृथ्वी ने 2017 में मुंबई से अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत की थी और अब आठ वर्षों बाद इस टीम से नाता तोड़ने की तैयारी में हैं।

एमसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को पुष्टि की कि उन्हें पृथ्वी का स्थानांतरण पत्र प्राप्त हुआ है, जिसे स्वीकृति के लिए शीर्ष परिषद को भेजा गया है। अधिकारी के अनुसार, इस पर जल्द निर्णय लिया जा सकता है।

भावुक पत्र में जताया आभार

एमसीए को भेजे अपने पत्र में पृथ्वी ने लिखा, मैं इस अवसर पर मुंबई क्रिकेट संघ को ईमानदारी से धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे बहुमूल्य अवसर और अटूट समर्थन दिया। अब मुझे एक अन्य राज्य संघ के तहत पेशेवर क्रिकेट खेलने का एक शानदार अवसर मिला है, जो मेरे क्रिकेट करियर को और आगे बढ़ाएगा।

प्रदर्शन से ज्यादा विवादों में रहे

भारत के लिए 5 टेस्ट और 6 वनडे खेल चुके पृथ्वी पिछले कुछ समय से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने सफेद गेंद के प्रारूप में कुछ मैच खेले हैं, लेकिन लाल गेंद की क्रिकेट में लगातार अनदेखी हो रही है। मैदान से बाहर के अनुशासनात्मक मुद्दों और खराब फिटनेस ने उनके करियर को प्रभावित किया है। 2024 के रणजी सत्र में पृथ्वी को मुंबई टीम से बाहर कर दिया गया था। आखिरी बार उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के फाइनल में मुंबई के लिए मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच खेला था, जहां उनकी टीम ने जीत दर्ज की थी।

बॉ ली वु ड

एक्टिंग से दूर रहीं जेनेलिया ने बताई असली वजह

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा जेनेलिया देशमुख, जिन्होंने न सिर्फ हिंदी बल्कि मराठी सिनेमा में भी अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' में उनके भावुक और प्रभावशाली किरदार को खूब सराहना मिली है। अपने करियर के शिखर पर रहते हुए जेनेलिया ने अभिनेता रितेश देशमुख से प्रेम विवाह किया था। लेकिन शादी के बाद उन्होंने लगभग एक दशक तक फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली, जिसने उनके फैंस को हैरान कर दिया। आखिर इतने लंबे ब्रेक की वजह क्या थी? अब जेनेलिया ने खुद इस सवाल का जवाब दिया है। शादी के बाद जेनेलिया देशमुख ने करीब एक दशक तक फिल्मी दुनिया से दूरी बना ली। इस पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ₹पिछले 10 सालों से मैं एक हाउसवाइफ की भूमिका निभा रही थी। मैंने कोई और काम नहीं किया। मैं पूरी तरह से अपने रिश्तों और परिवार की ज़िम्मेदारियों में लगी रही। सच कहूं तो वही मेरी असली जिंदगी थी।

सरदार जी-3 ट्रेलर शेयर कर विवादों में फंसे दिलजीत दोसांझ

मशहूर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ के गाने पूरी दुनिया में मशहूर हैं। अपने पंजाबी गानों के साथ-साथ वह कुछ बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। यही वजह है कि उनके चाहने वालों की संख्या काफी ज्यादा है। अपने गानों और एक्टिंग के लिए हमेशा अपने फैंस के बीच सराहे जाने वाले दिलजीत इस समय ट्रोल हो रहे हैं। इसकी वजह यह है कि उन्होंने एक पाकिस्तानी एक्ट्रेस के साथ अपनी एक फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। इसी वजह से दिलजीत विवादों में फंस गए हैं। दिलजीत द्वारा अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार जी-3' का ट्रेलर इंस्टाग्राम पर शेयर करने के बाद नेटिज़न्स भड़क गए हैं। इसके चलते एक्टर को काफी ट्रोल किया जा रहा है। यह फिल्म शुक्रवार 27 जून को दुनियाभर में रिलीज होगी। इसमें दिलजीत मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, उन्होंने जो ट्रेलर शेयर किया है, उसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी नजर आ रही हैं। हानिया इस फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम हमले के बाद भारत में सभी पाकिस्तानी कलाकारों के अकाउंट बैन कर दिए गए थे। उस समय अभिनेत्री वाणी कपूर और पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान अभिनीत फिल्म 'अबीर गुलाल' भी चर्चा में थी। हालांकि, इस फिल्म को भी भारत में बैन कर दिया गया था। इस वजह से फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। उसके बाद दिलजीत ने हनिया आमिर के साथ फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर किया और नेटिजन्स ने कमेंट कर उन्हें खूब ट्रोल किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'सरदार जी 3' की शूटिंग दिलजीत दोसांझ ने पहलगाम आतंकी हमले से पहले पूरी कर ली थी। इस फिल्म का ट्रेलर उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। खास बात यह है कि यह फिल्म भारत में रिलीज नहीं की जाएगी, बल्कि इसे

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज किया जाएगा। हालांकि, ट्रेलर में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की मौजूदगी देखकर कई दर्शक भड़क उठे हैं। गौरतलब है कि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 भारतीय पर्यटकों की मौत हो गई थी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए सभी पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बैन लगा दिया। इसी पृष्ठभूमि में जब 'सरदार जी 3' के ट्रेलर में हानिया आमिर नजर आईं, तो सोशल मीडिया पर इसका तीखा विरोध शुरू हो गया। कई यूज़र्स ने दिलजीत दोसांझ से जवाब मांगा है और इस फैसले पर नाराज़गी जताई है। इस विवाद के चलते अब दिलजीत एक बार फिर आलोचकों के निशाने पर हैं।

इस बीच दिलजीत सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' में भी नजर आएंगे। यही वजह है कि एक तरफ जहां इस देशभक्ति फिल्म पर काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तानी एक्ट्रेस हनिया आमिर की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज करने को लेकर एक्टर को ट्रोल किया जा रहा है।

'ठग लाइफ' की असफलता पर मणिरत्नम ने तोड़ी चुप्पी

मणिरत्नम के निर्देशन में बनी फिल्म 'ठग लाइफ' से निर्माताओं के साथ-साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। इस फिल्म के हीरो कमल हासन हैं। हालांकि, वह अपना जादू चलाने में असफल हो गए। यह फिल्म 5 जून को दर्शकों के बीच आई थी। अब मणिरत्नम ने पहली बार 'ठग लाइफ' की असफलता पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने दर्शकों से माफी मांगी है। साक्षात्कार में मणिरत्नम ने कहा, ₹जो लोग मुझझे और कमल हासन से एक और 'नायकन' की उम्मीद कर रहे थे, उनसे मैं बस इतना कह सकता हूं कि हमें खेद है। हमारा कभी भी पीछे हटने का इरादा नहीं था। हम क्यों पीछे हटें? हम कुछ पूरी तरह से अलग करना चाहते थे। उन्होंने आगे कहा, मैं बस माफी मांग सकता हूं। दर्शकों को कुछ ऐसा चाहिए था, जो हम नहीं दे पाएं। कमल के अलावा 'ठग लाइफ' में सिलंबरासन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, तृषा कृष्णन और अभिरामी जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी मणिरत्नम ने कमल के साथ मिलकर लिखी है, वहीं वे दोनों इस फिल्म के सह-निर्माता भी हैं।

जयदीप अहलावत ने ठुकराई 'रामायण'

बॉ निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। इस मेगा प्रोजेक्ट को वीएफएक्स, दमदार स्टार कास्ट और इंटरनेशनल स्तर के एक्शन और स्टंट टीम के साथ तैयार किया जा रहा है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि साईं पल्लवी माता सीता का किरदार निभा रही हैं। साउथ के सुपरस्टार यश रावण और सनी देओल हनुमान के रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में एक्टर जयदीप अहलावत को बिभीषण की भूमिका का प्रस्ताव मिला था, लेकिन उन्होंने इस रोल को करने से मना कर दिया। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने इस फैसले की वजह बताई। एक इंटरव्यू में जयदीप अहलावत ने खुलासा किया, रामायण फिल्म में मुझे एक अहम किरदार ऑफर हुआ था। हालांकि, मेरी डेट्स फिल्म की शेड्यूलिंग के साथ मेल नहीं खा रही थीं। रावण और बिभीषण के बीच कुछ महत्वपूर्ण सीन थे,

जिनकी शूटिंग एक साथ होनी थी, लेकिन मुझे पता था कि रावण की डेट्स ज्यादा महत्वपूर्ण थीं। आखिरकार, 'केजीएफ' की सफलता के बाद रावण का किरदार निभा रहे एक्टर (यश) की मौजूदगी और टाइमलाइन फिल्म के लिए प्राथमिकता बन गई थी। जयदीप अहलावत ने पिछले कुछ सालों में कई दमदार सीरीज और फिल्में दी हैं।

4 राज्यों के 5 विधानसभा उपचुनाव के नतीजे घोषित

आप की जीत, कांग्रेस के लिए उम्मीद, बीजेपी के लिए बड़े संकेत

एजेंसी । अहमदाबाद/लुधियाना

चार राज्यों के पांच सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए। पंजाब के लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने तमाम समीकरणों के दरकिनार करते हुए 10637 वोटों से जीत दर्ज की। केरल में कांग्रेस ने लेफ्ट से नीलांबुर सीट छीन ली। पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट से तृणमूल कांग्रेस की अलिफा अहमद ने कब्जा किया। बीजेपी के खाते में गुजरात की कडी सीट आई। कडी से पार्टी के उम्मीदवार राजेंद्र कुमार चावड़ा उर्फ राजूभाई जीत गए मगर राज्य की दूसरी सीट विसावदर पर आप के गोपाल इटालिया ने कब्जा किया।

- गुजरात में आप और भाजपा ने जीती एक-एक सीट
- केरल में कांग्रेस, बंगाल में टीएमसी ने मारी बाजी
- लुधियाना में आप विजयी

गुजरात विधानसभा — कलीगंज

जीत | हार

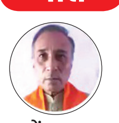

राजेंद्र चावड़ा, बीजेपी, 75942 | रमेश चावड़ा, कांग्रेस, 60290

अंतर 39452

पंजाब उपचुनाव विधानसभा — लुधियाना

जीत | हार

संजीव अरोड़ा, आप, 35179 | भारत भूषण आशु, कांग्रेस, 24542

अंतर 10637

पश्चिम बंगाल विधानसभा — कलीगंज

जीत | हार

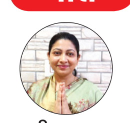

अलीफा अहमद, टीएमसी, 102759 | आशीष घोष, बीजेपी, 52710

अंतर 50049

केरल विधानसभा — नीलांबुर

जीत | हार

आर्यदान शौकत, कांग्रेस, 77737 | एम स्वराज, सीपीएम, 66660

अंतर 11077

लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट: अरविंद केजरीवाल का राज्यसभा का रास्ता साफ

लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में आम आदमी पार्टी जीत गई है। आप के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने पहले राउंड से बढ़त बनाए रखी जो आखिरी राउंड तक कायम रही। कांग्रेस के भारत भूषण आशु दूसरे नंबर पर रहे। भाजपा के जीवन गुप्ता को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। उपचुनाव में आप को 35179 वोट मिले। कांग्रेस के भारत भूषण आशु को 24542 मत मिले। भाजपा के जीवन गुप्ता को 20323 वोट मिले। शिअद के परउपकार सिंह घुम्मण 8203 वोट ही ले पाए। वहीं 793 लोगों ने नोटा का बटन दबाया। लुधियाना पश्चिम उपचुनाव को विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा था। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल, पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस चुनाव में खुद कमान संभाली थी। उद्योगपति संजीव अरोड़ा को आम आदमी पार्टी नेतृत्व के काफी करीब माना जाता है। अरविंद केजरीवाल की दिल्ली में हार के बाद से ही चर्चे थे कि अब वह संसद का रुख उच्च सदन के माध्यम से कर सकते हैं। संजीव अरोड़ को असेंबली इलेक्शन में उतारे जाने से ही साफ था कि उनके स्थान पर केजरीवाल राज्यसभा जाने के प्लान में हैं। पंजाब में चर्चा है कि किसी एक मंत्री को हटाया भी जा सकता है, जबकि कुछ के विभागों में फेरबदल की संभावना है।

गुजरात विधानसभा — विसावदर

जीत | हार

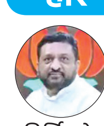

गोपाल इटालिया, आप, 75942 | कीर्ति पटेल, बीजेपी, 58388

अंतर 17554

विसावदर विधानसभा सीट: इस बार फिर आप ने रोका

आम आदमी पार्टी के पूर्व गुजरात अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने जूनागढ़ जिले की विसावदर सीट पर अपने प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार किरीट पटेल को 17,554 मतों के अंतर से हराया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कुल 21 राउंड की मतगणना के बाद इटैलिया को 75,942 वोट मिले, जबकि पटेल को 58,388 वोट मिले। विसावदर सीट दिसंबर 2023 में तत्कालीन आप विधायक भूपेन्द्र भयानी के इस्तीफा देने और सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने के बाद खाली हो गई थी।

कडी विधानसभा सीट : भाजपा ने कांग्रेस को 39,452 मतों से हराया

मेहसाणा जिले की कडी सीट पर अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। भाजपा के राजेंद्र चावड़ा सभी 22 राउंड की मतगणना के बाद कांग्रेस के रमेश चावड़ा से 39,452 मतों के अंतर से विजयी हुए। राजेंद्र चावड़ा को 99,742 वोट मिले, जबकि पूर्व कांग्रेस विधायक रमेश चावड़ा को 60,290 वोट मिले। भाजपा विधायक करसन सोलंकी के निधन के बाद 4 फरवरी से कडी विधानसभा सीट खाली थी।

कालीगंज विधानसभा सीट: वेस्ट बंगाल में अगले चुनाव के लिए पैटर्न सेट

पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट तृणमूल कांग्रेस के खाते में गई। इस सीट पर बीजेपी के आशीष घोष टीएमसी कैंडिडेट अलीफा अहमद से करीब 50 हजार वोटों से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस ने मुस्लिम कैंडिडेट कबीलुद्दीन शेख को उतारा था, मगर उन्हें 28251 वोट मिले और वह तीसरे पायदान पर रहे। इस चुनाव में मुस्लिम वोटरों ने टीएमसी को लिए वोट किया। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस रिजल्ट को वोटिंग पैटर्न का ट्रेलर माना जा रहा है।

नीलांबूर विधानसभा सीट: कांग्रेस की उम्मीद, सीपीएम को झटका

कांग्रेस पंजाब और गुजरात के एक-एक सीट पर रनर अप रही, जबकि बीजेपी पश्चिम बंगाल और गुजरात की विसावदर में दूसरे स्थान पर रही। केरल में नीलांबुर सीट गंवाने वाली सीपीएम भी रनर अप रही। उपचुनाव के नतीजों ने कांग्रेस को गुजरात में झटका दिया, मगर केरल और पंजाब में उम्मीद लेकर आई है। केरल के नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने सीपीएम के एम स्वराज को लगभग 10,000 वोटों से हराया। यह क्षेत्र वायनाड का हिस्सा है, जहां से प्रियंका गांधी सांसद हैं। कांग्रेस ने इस उपचुनाव को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नौ साल के शासन के खिलाफ जनादेश के रूप में पेश किया था। 2026 में केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं और यह रिजल्ट सीएम पिनाराई विजयन के लिए खतरे की घंटी की तरह है।

न्यूज़ ब्रीफ

जम्मू में बिना लैंडिंग के दिल्ली लौटा एयर इंडिया का विमान

जम्मू। दिल्ली से जम्मू होते हुए श्रीनगर जाने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान सोमवार दोपहर बिना लैंडिंग के ही दिल्ली लौट आया। अधिकारियों ने बताया कि यह पता नहीं चल पाया है कि विमान को दिल्ली वापस क्यों लौटना पड़ा। विमान संख्या आईएक्स-2564 को श्रीनगर के लिए रवाना होने से पहले जम्मू में उतरना था, लेकिन यह कुछ समय तक जम्मू हवाई अड्डे के ऊपर ही मंडराता रहा। इसके बाद पायलट ने बिना लैंडिंग के ही दिल्ली लौटने का फैसला किया। अधिकारी ने बताया कि मौसम और रनवे साफ था, लेकिन ऐसा लगता है कि पायलट को उतरने के लिए उपयुक्त जगह नहीं मिल पाई।

पहलगाम मामले में दो को एनआईए हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। यहां की एक स्थानीय अदालत ने पहलगाम आतंकी हमले के सिलसिले में गिरफ्तार दो लोगों को एनआईए की पांच दिन की हिरासत में भेजा। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को जम्मू के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रितेश कुमार दुबे की अदालत में पेश किया गया और उन्हें 27 जून तक पांच दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया गया। एनआईए की जांच के अनुसार, परवेज और बशीर ने हमले से पहले तीन सशस्त्र आतंकवादियों को जानबूझकर शरण दी थी। इन आरोपियों को पाक आतंकियों को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कांग्रेस विधायक कागे ने दी विधानसभा से इस्तीफे की धमकी

बेलगावी। कर्नाटक के कागवाड़ से कांग्रेस के विधायक भरमगौड़ा अलगौड़ा कागे ने सोमवार को कहा कि वह विधानसभा से इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में प्रशासनिक ढांचा बिगड़ गया है। बेलगावी में पत्रकारों से बात करते हुए कागे ने अपने क्षेत्र में विकास कार्यों में देरी पर नाराजगी जताई। कागे ने आरोप लगाया, पूरे राज्य का प्रशासन ठप हो गया है। मुझ बहुत दुख हुआ है। मैं गंभीरता से इस्तीफे पर विचार कर रहा हूं। अगर अगले दो दिनों में मैं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को इस्तीफा दे दूं तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। विधायक ने दावा किया कि उनके क्षेत्र कागवाड़ में पिछले दो वर्षों से कोई भी विकास कार्य नहीं हुआ है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में हंगामा

- मार्शलों से हाथापाई, कई कर्मचारी घायल
- विपक्ष ने लगाए 'हिंदू विरोधी सरकार नहीं चाहिए' के नारे
- स्पीकर ने बीजेपी के चार विधायकों को किया निलंबित

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार को उस समय हंगामेदार हो गया जब भारतीय जनता पार्टी (BJP) के विधायकों ने सदन के भीतर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हुए हंगामे और मार्शलों के साथ हाथापाई के बाद स्पीकर बिमान बनर्जी ने बीजेपी के चार विधायकों — मुख्य सचेतक शंकर घोष, मनोज उरांव, दीपक बर्मन और अग्निमित्रा पाल — को सदन से निलंबित कर दिया। हंगामा उस वक्त और बढ़ गया जब निलंबित विधायकों को सदन से बाहर ले जाया जा रहा था। इस दौरान बीजेपी के अन्य विधायक भी मार्शलों के साथ धक्का-मुक्की में शामिल हो गए। पुरुलिया से बीजेपी विधायक सुदीप मुखर्जी ने कथित तौर पर एक मार्शल का कॉलर पकड़ लिया। वहीं नेता मिहिर गोस्वामी गिर पड़े और उनके चश्मे टूट गए।

महिला कर्मचारियों समेत कई घायल

घटना के दौरान विधानसभा के कई कर्मचारी घायल हुए। इनमें मार्शल देवव्रत मुखर्जी, डिप्टी मार्शल तन्मय बनर्जी और महिला कर्मी अदिति मुखर्जी, पियाली बाल और रेशमा खातून शामिल हैं। सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया। जब बीजेपी के विधायकों को बाहर निकाला गया, उस वक्त अन्य भाजपा सदस्य 'हिंदू विरोधी सरकार अब नहीं चाहिए' जैसे नारे लगा रहे थे।

प्रश्नोत्तर सत्र टाला गया

स्पीकर बिमान बनर्जी ने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों में हो रही भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के चलते कई मंत्री निरीक्षण दौरे पर हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर प्रश्नोत्तर सत्र को स्थगित किया गया। जैसे ही बीजेपी विधायकों ने नारेबाजी तेज की और कागज फाड़ने लगे, राज्य के मंत्री अरूप विश्वास ने स्पीकर से उनके निलंबन की मांग की।

सत्र की शुरुआत से ही तनाव

मानसून सत्र की शुरुआत से ही सदन में विपक्ष और सरकार के बीच लगातार टकराव की स्थिति बनी रही है। कई मुद्दों पर बीजेपी विधायकों ने वॉकआउट भी किया। सोमवार को भी बीजेपी विधायकों ने स्पीकर की कार्रवाई को लेकर विरोध जताया। विधायक अशोक लाहिड़ी ने अध्यक्ष द्वारा पिछली कार्यवाही से उनकी टिप्पणी हटाए जाने का मुद्दा उठाया।

विपक्ष को नीचा दिखाने की कोशिश जनता नहीं करेगी बर्दाश्त : पीएम मोदी

एजेंसी । नई दिल्ली

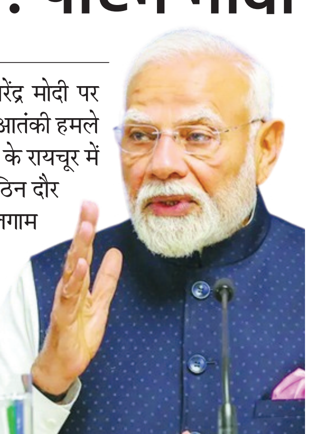

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम पर विपक्ष को हल्के में लेने और पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुई सर्वदलीय बैठकों से दूरी बनाए रखने का आरोप लगाया। कर्नाटक के रायचूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि देश इस समय एक कठिन दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया, 'हाल ही में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों की जान ले ली। इसके जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर हमला कर उन्हें मार गिराया।'

खरगे ने बिना नाम लिया साधा निशाना

इस दौरान खरगे ने कहा कि जब पूरा देश और सेना एकजुट होकर देश की रक्षा कर रहे थे, तब कुछ लोग इसका व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, 'अगर वे सेना में कप्तान, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल रहे होते और देश के लिए लड़े होते, तो हम उनकी तारीफ करते। लेकिन ऐसा तो हुआ ही नहीं।' हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

'पीएम बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त थे'

खरगे ने कहा, 'वह उस समय बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। जब देश के जवान और जनता एक तरफ लड़ाई लड़ रहे थे, तब प्रधानमंत्री दूसरी तरफ प्रचार में लगे थे। यह सही नहीं है'। इसके साथ ही खरगे ने चेतावनी दी कि अगर सरकार विपक्ष को नीचा दिखाने की कोशिश करेगी, तो देश की जनता, खासकर युवा वर्ग इसे सहन नहीं करेगा।

पहलगाम हमले से बाद कांग्रेस ने की थी सर्वदलीय बैठक की मांग

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद सर्वदलीय बैठक की सबसे पहले मांग कांग्रेस ने की थी। खरगे ने सवाल उठाया कि, 'दो बार बैठक बुलाई गई, लेकिन प्रधानमंत्री एक बार भी नहीं आए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वह क्यों नहीं आए?'।

पूर्व सांसद डीके सुरेश ईडी के सामने हुए पेश

- महिला द्वारा धोखाधड़ी से जुड़ा है मामला

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व सांसद डीके सुरेश सोमवार को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी के सामने पेश हुए। डीके सुरेश से ईडी मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में पूछताछ करेगी, जिसमें मुख्य आरोपी एक महिला है। आरोपी महिला ने कई लोगों से धोखाधड़ी की। ईडी ने बीते अप्रैल में ऐश्वर्या गौड़ा (33 वर्षीय) नामक महिला को गिरफ्तार किया था। ऐश्वर्या ने कई हाई-प्रोफाइल लोगों की करीबी होने का

महिला पर कई लोगों से धोखाधड़ी का आरोप

आरोपी महिला ने सोना, नकदी और बैंक में जमा पैसे पर ज्यादा ब्याज देने का वादा किया और लोगों के पैसों से धांधली की। आरोपी ऐश्वर्या ने दावा किया कि वह पूर्व सांसद डीके सुरेश की बहन है। डीके सुरेश कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के भाई हैं। पुलिस ने ऐश्वर्या गौड़ा के खिलाफ बंगलूरू के चंद्रा लेआउट और राजा राजेश्वरी नगर थाने में धोखाधड़ी के तीन मामले दर्ज किए हैं।

डीके सुरेश ने नोटिस को लेकर कही ये बात

डीके सुरेश ने ईडी के सामने पेश होने से पहले कहा कि 'ईडी ने उन्हें आज (सोमवार) 11 बजे पेश होने को कहा था। उन्होंने कुछ जानकारी मांगी है, इसलिए मैं अपने वकील के साथ ईडी के अधिकारियों से मिलूंगा।' कांग्रेस के पूर्व सांसद ने कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि 'मैंने ही शिकायत दर्ज कराई थी क्योंकि आरोपी महिला खुद को मेरी बहन बता रही थी।

दिल्ली से हटेंगी पुरानी गाड़ियां

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में 1 जुलाई को 10-15 साल पुरानी डीजल और पेट्रोल गाड़ियों को ईंधन न देने की योजना शुरू होनी है, लेकिन योजना शुरू होने से पहले ही दिल्ली सरकार के आदेश के कुछ प्रावधानों के खिलाफ दिल्ली पेट्रोल डीलर एसोसिएशन नाराज है। दिल्ली पेट्रोल डीलर एसोसिएशन ने पत्र लिखकर परिवहन मंत्री पंकज से मिलने का वक्त मांगा है। साथ ही कुछ नियमों में बदलाव करने की मांग की है। दिल्ली पेट्रोल डीलर एसोसिएशन ने कुछ नियमों में बदलाव और सुरक्षा की मांग की है और कहा कि सरकार के आदेश में 10-15 साल पुरानी गाड़ियों में ईंधन भरने पर पेट्रोल पंप के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही गई।

गोपालपुर समुद्र तट पर छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

एनएचआरसी सख्त, सरकार और पुलिस को भेजा नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सोमवार को ओडिशा सरकार और राज्य के पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस गंजाम जिले के गोपालपुर समुद्र तट पर एक 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में जारी किया गया है। मामले में आयोग ने राज्य सरकार से दो हफ्ते के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें जांच की स्थिति, पीड़िता के स्वास्थ्य और मुआवजे की जानकारी शामिल होनी चाहिए। बता दें कि कथित तौर पर बीते 15 जून को पीड़िता अपने एक पुरुष मित्र के साथ त्योहार मनाने के लिए समुद्र तट पर गई थी। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि अपराधियों ने पीड़िता के दोस्त को जबरन पकड़ लिया, और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।

एनएचआरसी ने मीडिया रिपोर्ट का लिया स्वत: संज्ञान

मामले में एनएचआरसी ने कहा कि उसने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि 15 जून को ओडिशा के गंजम जिले के गोपालपुर समुद्र तट पर लगभग 10 पुरुषों द्वारा 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। आयोग ने कहा कि मीडिया द्वारा किया जा रहा दावा यदि सदी है, तो ये मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा को उठाती है। इसलिए, इस मामले में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

सिंगल मदर के बच्चों को हक देने की मांग

- सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में सामाजिक न्याय और बराबरी को लेकर एक अहम मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। यह मामला उन बच्चों से जुड़ा है, जिनकी परवरिश अकेली मां कर रही हैं और वे ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) वर्ग से आती हैं। लेकिन मौजूदा नियमों के तहत इन बच्चों को ओबीसी सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाता। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब तलब किया है। दरअसल, मौजूदा समय में ओबीसी सर्टिफिकेट के लिए बच्चे के पिता, दादा या चाचा की जाति प्रमाणित करना जरूरी होता है। यही वजह है कि जिन बच्चों की परवरिश अकेली मां कर रही हैं, उन्हें ओबीसी सर्टिफिकेट मिलने में परेशानी होती है, भले ही मां खुद ओबीसी वर्ग से क्यों न हो। इसी व्यवस्था को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की गई है।

SC-ST में लागू है मां की जाति का आधार

याचिका में इस बात को भी प्रमुखता से उठाया गया है कि एससी (अनुसूचित जाति) और एसटी (अनुसूचित जनजाति) वर्ग में यदि कोई महिला अकेली मां है, तो उसके बच्चों को मां की जाति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र मिल जाता है। लेकिन ओबीसी वर्ग के मामले में ऐसा नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह भेदभाव संविधान में मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन है।